भारत का संविधान

1. भारतीय संविधान की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

(A Historical Background of Indian Constitution)

पं. नेहरू ने कहा था कि—''वास्तविक लोकतंत्रात्मक स्वतंत्रता के लिए हमारे पास संविधान सभा के अतिरिक्त अन्य कोई मार्ग नहीं है।....संविधान निर्माण के इस कार्य को महाबुद्धिमान व्यक्तियों के किसी गुट पर नहीं छोड़ा जा सकता और न ही उन छोटी समितियों की सहायता से इस कार्य की पूर्ति हो सकती है, जो मात्र हितों के संतुलन को संविधान निर्माण का नाम दे रही हों। इसे बाहरी प्राधिकार की छाया में भी पूर्ण नहीं किया जा सकता। प्रभावी रूप से यह कार्य तभी पूर्ण हो सकता है, जबकि राजनीतिक एवं सामाजिक स्थितियां विद्यमान हों और इसके लिए सामान्य जनता से उत्कण्ठा व स्वीकृति प्राप्त हो।'' भारत में संविधान सभा के सिद्धांत के सर्वप्रथम दर्शन 1895 के ''स्वराज्य विधेयक'' में होते हैं, जिसे तिलक के निर्देशन में तैयार किया गया था। 20वीं सदी में इस विचार की ओर सर्वप्रथम संकेत महात्मा गांधी ने किया, जब उन्होंने 1922 में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि—''भारतीय संविधान भारतीयों की इच्छानुसार ही होगा।'' दिसम्बर, 1936 के लखनऊ कांग्रेस अधिवेशन में संविधान सभा के अर्थ और महत्त्व की व्याख्या की गई। 1939 के कांग्रेस अधिवेशन में इस मांग को दोहराते हुए इस आशय का प्रस्ताव पारित किया गया कि—''एक स्वतंत्र देश का संविधान निर्माण का एकमात्र तरीका संविधान सभा होगी। सिर्फ प्रजातंत्र और स्वतंत्रता में विश्वास न रखने वाले ही इसका विरोध कर सकते हैं।'' अगस्त, 1940 के प्रस्ताव में ब्रिटिश सरकार ने कहा कि—''भारत का संविधान स्वभावतः स्वयं भारतवासी ही तैयार करेंगे।'' वर्ष 1942 की ''क्रिप्स मिशन'' के द्वारा ब्रिटेन ने स्पष्टतया स्वीकार किया कि भारत में एक निर्वाचित संविधान सभा का गठन होगा, जो युद्ध के बाद भारत के लिए संविधान तैयार करेगी। परन्तु, भारतीयों द्वारा अन्य महत्त्वपूर्ण आधारों पर क्रिप्स मिशन को अस्वीकार कर दिया गया। अंततः 1946 में ''कैबिनेट मिशन योजना'' में भारतीय संविधान सभा के प्रस्ताव को स्वीकार कर इसे व्यावहारिक रूप प्रदान कर दिया गया। संविधान सभा का 12वां अधिवेशन 24 जनवरी, 1950 को हुआ और 308 सदस्यों द्वारा संविधान पर हस्ताक्षर किए गए। इसी अवसर पर डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को भारतीय गणतंत्र का प्रथम राष्ट्रपति चुना गया और यह संविधान 26 जनवरी, 1950 से लागू हो गया।

पिछले 15 वर्षों के SSC के प्रश्न पत्रों में ''भारतीय संविधान की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि''

- भारत का संविधान कब से लागू हुआ? **—26 जनवरी, 1950 से (लोअर डिवीजन क्लर्क (L.D.C.) परीक्षा, 1998)**
- संविधान सभा का अस्थायी अध्यक्ष कौन बने थे? **—सच्चिदानन्द सिन्हा (मैट्रिक स्तर (PT) परीक्षा, 1999)**
- भारतीय संविधान के प्रारूप समिति के अध्यक्ष कौन थे? **—डॉ. बी.आर. अम्बेडकर (मैट्रिक स्तर (PT) परीक्षा, 1999)**
- भारत का संविधान दिया था—**भारत की संविधान सभा ने (सहायक निरीक्षक नियंत्रक (A.I.C.) परीक्षा, 2003)**
- भारतीय संविधान में पहली बैठक की अध्यक्षता किसने की थी **—सच्चिदानन्द सिन्हा (मैट्रिक स्तर (PT) परीक्षा, 2007)**
- भारत का संविधान किस तिथि को स्वीकार किया गया? **—26 नवंबर, 1949 को (स्नातक स्तर (PT) परीक्षा, 2007)**
- भारतीय संविधान में मूलतः कितने अनुच्छेद हैं? **—395 अनुच्छेद (कर सहायक (टैक्स असिस्टेंट) परीक्षा, 2008)**
- भारत को अधिकार क्षेत्र का दर्जा (डोमिनियम स्टेट्स) किस तारीख को मिला? **—15 अगस्त, 1947 को (स्नातक स्तर (PT) परीक्षा, 2010)**
- संघीय प्रणाली का पहला प्रस्ताव ''भारत सरकार अधिनियम'' द्वारा किया गया था? **—1935 ई. में (हायर सेकेण्डरी (10+2) स्तर परीक्षा, 2011)**
- भारत का संविधान बनाने वाली संविधान सभा किस वर्ष स्थापित की गई? **—1946 (भारतीय खाद्य निगम (F.C.I. असिस्टेंट) परीक्षा, 2012)**
- परिसंघ बनाने का विचार सर्वप्रथम प्रस्तावित किया था? **—नेहरू रिपोर्ट, 1928 (संयुक्त स्नातक स्तरीय प्रा. परीक्षा, 2013)**
- भाारत सरकार अधिनियम, 1935 को दासता का नया घोषणा पत्र किसने कहा था? **—जवाहरलाल नेहरू (संयुक्त स्नातक स्तरीय प्रा. परीक्षा, 2013)**
- गवर्नमेंट ऑफ इण्डिया ऐक्ट, 1935 किस पर आधारित था? **—साइमन कमीशन (संयुक्त स्नातक स्तरीय प्रा. परीक्षा, 2013)**

विशिष्ट तथ्य : ''भारतीय संविधान की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

16वीं शताब्दी में जब भारत अपनी समृद्धि के चरम पर था, लंदन के कुछ व्यापारियों ने 1599 ई. में भारत से व्यापार के प्रयोजन से लंदन कंपनी की स्थापना की। इन्हीं दिनों यूरोप के कुछ अन्य व्यापारी भी भारत से व्यापार करने के लिए प्रयासरत् थे। 1600 ई. के अंतिम महीनों में लंदन कंपनी को भारत से व्यापार करने का अधिकार पत्र (Royal charter) मिला। शीघ्र ही इस कंपनी ने ईस्ट इंडिया कंपनी

Follow us on Instagram Subscribe to our YouTube Channel Find us on facebook Join us on Telegram

के नाम से भारत से व्यापार करना शुरू किया। औरंगजेब की मृत्यु के बाद केंद्रीय प्रशासन के शक्तिहीन होने के साथ-साथ भारत की राजनीतिक गतिविधियों में कंपनी के अधिकारियों ने रुचि लेना शुरू कर दिया। वर्ष 1757 में प्लासी के युद्ध में सिराजुद्दौला को पराजित कर कंपनी ने बंगाल पर आधिपत्य जमाया। 1764 में बक्सर के युद्ध में कंपनी ने विजय प्राप्त की। शीघ्र ही कंपनी ने अनेक भारतीय क्षेत्रों पर अधिकार प्राप्त कर लिया। भारत पर कंपनी के बढ़ते राजनीतिक प्रभाव पर संसदीय नियंत्रण के लिए ब्रिटिश सरकार द्वारा समय-समय पर अधिनियम पारित किए गए। इन अधिनियमों ने भारत में संसदीय शासन व्यवस्था का बीजारोपण किया। साथ ही, भारतीय संविधान के निर्माण के लिए एक आधार भी तैयार किया।

रेग्यूलेटिंग एक्ट, 1773 (Regulating Act, 1773)

इस अधिनियम की प्रमुख बातें इस प्रकार थीं-

- ईस्ट इंडिया कंपनी पर संसदीय नियंत्रण की शुरूआत।
- बंगाल के गवर्नर को बंगाल, बम्बई तथा मद्रास तीनों प्रेसीडेंसियों का गवर्नर जनरल बनाया गया।
- कलकत्ता में एक सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना की गयी, जिसके निर्णय के विरुद्ध सम्राट के सम्मुख अपील की जा सकती थी।

न्यायाधिकरण अधिनियम 1781 (Tribunal Act, 1781)

- सपरिषद् गवर्नर जनरल को सर्वोच्च न्यायालय के अधिकार क्षेत्र से मुक्त रखा गया।
- सर्वोच्च न्यायालय की अधिकारिता बंगाल के सभी निवासियों पर निर्धारित की गयी।
- कंपनी की अदालतों के विरूद्ध गवर्नर जनरल को अपील की जा सकती थी।

पिट्स इंडिया एक्ट, 1784 (Pits India Act, 1784)

- कंपनी की व्यापारिक गतिविधियों को 'कोर्ट आफ डायरेक्टर्स' तथा राजनीतिक गतिविधियों को 'बोर्ड आफ कंट्रोलर' के अधीन किया गया।

चार्टर अधिनियम, 1793 (Charter Act, 1793)

- बोर्ड आफ कंट्रोलर की शक्तियों को इसके अध्यक्ष के हाथ में केन्द्रीकृत किया गया, जो ब्रिटिश मंत्रिमण्डल का सदस्य होता था।
- कंपनी को अगले 20 वर्षों के लिए व्यापार का एकाधिकार दिया गया।
- बोर्ड के सदस्यों तथा कर्मचारियों के वेतन भारत के राजस्व से देने की व्यवस्था की गयी।

चार्टर अधिनियम, 1813 (Charter Act, 1813)

- कुछ ब्रिटिश व्यापारियों को भी व्यापार करने का अधिकार दिया गया। इस प्रकार कंपनी का व्यापार पर से एकाधिकार समाप्त हुआ, किन्तु चाय के व्यापार का एकाधिकार कंपनी के पास ही रहा।

चार्टर अधिनियम 1833 (Charter Act, 1833)

- कंपनी के सभी व्यापारिक अधिकार समाप्त हो गए तथा कंपनी को मात्र राजनीतिक कार्य का अधिकार मिला, वह भी ब्रिटिश क्राउन के नाम पर।
- बंगाल का गवर्नर जनरल संपूर्ण ब्रिटिश भारत का गवर्नर जनरल बना।
- भारतीय कानूनों को एकीकृत एवं संहिताबद्ध करने के लिए विधि आयोग का गठन।

चार्टर अधिनियम, 1853 (Charter Act, 1853) :

- 1853 का एक्ट अंतिम चार्टर एक्ट था।
- बंगाल के लिए लेफ्टिनेंट गवर्नर जनरल का पद सृजित किया गया।

भारतीय शासन अधिनियम, 1858 (Government of India Act, 1858)

- कोर्ट आफ डायरेक्टर्स तथा बोर्ड आफ कंट्रोलर्स को समाप्त कर 'भारत सचिव' नामक नए पद का सृजन किया गया।
- भारतीय प्रशासन केंद्रीकृत हो गया। सारी शक्तियाँ गवर्नर जनरल के हाथ में आ गयीं, जो भारत सचिव के प्रति उत्तरदायी था।
- इस प्रकार ईस्ट इंडिया कंपनी की सत्ता पूरी तरह समाप्त हो गयी।

भारतीय शासन अधिनियम, 1861 (Government of India Act, 1861)

- गवर्नर जनरल की शक्तियों का विस्तार किया गया। उसे अध्यादेश पारित करने की शक्ति प्राप्त हुई।
- गवर्नर जनरल को बंगाल, उत्तर-पश्चिम सीमा प्रांत और पंजाब में विधान परिषद स्थापित करने की शक्ति प्रदान की गयी।
- इन विधान परिषदों द्वारा पारित विधियाँ गवर्नर जनरल की स्वीकृति के बाद ही प्रवर्तनीय थीं।
- भारत में अंग्रेजी राज की शुरुआत के बाद पहली बार भारतीयों को विधायी कार्य के साथ जोड़ा गया।

भारतीय शासन अधिनियम, 1892 (Government of India Act, 1892)

- केन्द्रीय तथा प्रांतीय व्यवस्थापिका परिषद में गैर-सरकारी सदस्यों की संख्या में वृद्धि की गयी।
- अप्रत्यक्ष चुनाव प्रणाली की शुरूआत हुई।
- व्यवस्थापिका के सदस्यों को वार्षिक बजट पर विचार विमर्श करने तथा प्रश्न पूछने की शक्ति दी गयी।

भारत शासन अधिनियम, 1909 (Government of India Act, 1909)

- भारत सचिव एवं गवर्नर जनरल की कार्यकारिणी में भारतीयों को प्रतिनिधित्व दिया गया।
- मुस्लिम समुदाय के लिए पहली बार पृथक प्रतिनिधित्व की व्यवस्था की गयी। यहीं से पृथकतावादी दृष्टिकोण का जन्म हुआ।

भारतीय शासन अधिनियम, 1919 (Government of India Act, 1919)

- प्रांतों में द्वैध शासन की शुरूआत।
- प्रांतीय विषयों को सुरक्षित और हस्तांतरित दो भागों में विभाजित किया गया तथा सुरक्षित विषयों पर गवर्नर अपनी कार्यकारिणी के सहयोग से निर्णय लेता था, जबकि हस्तांतरित विषयों का प्रशासन वह अपने मंत्रियों के सहयोग से करता था।
- केंद्र में द्विसदनात्मक विधायिका की स्थापना की गयी। प्रथम-राज्य परिषद तथा द्वितीय-केंद्रीय विधान सभा। राज्य परिषद (60 सदस्य) का कार्यकाल 5 वर्ष तथा विधान सभा (सदस्य 144) का कार्यकाल 3 वर्ष था।
- भारत के लिए एक उच्चायुक्त की नियुक्ति की गयी, जो यूरोप में भारतीय व्यापार की देखभाल करता था।
- एक नरेश मण्डल की स्थापना की गयी। देशी नरेशों का यह मंडल सामान्य हित पर विचार करता था।

भारतीय शासन अधिनियम 1935 (Government of India Act, 1935)

- यह अधिनियम 1932 के श्वेत-पत्र पर आधारित था। भारतीय संविधान का यह मुख्य आधार बना।

Follow us on Instagram
Subscribe to our YouTube Channel
Find us on facebook
Join us on Telegram

- अधिनियम में अखिल भारतीय संघ बनाने का प्रावधान रखा गया।
- प्रांतों में द्वैध शासन व्यवस्था को समाप्त कर प्रांतों में पूर्ण उत्तरदायी सरकार बनाई गयी।
- केंद्र में द्वैध शासन की स्थापना की गयी। सुरक्षा वैदेशिक संबंध एवं धार्मिक मामलों को गवर्नर जनरल के हाथ में केंद्रित किया गया तथा अन्य मामलों में गवर्नर जनरल की सहायता के लिए मंत्रिमंडल की व्यवस्था की गयी।
- संघीय न्यायालय की स्थापना की गयी, जिसके विरुद्ध अपील प्रिवी कौंसिल (लंदन) में की जा सकती थी।
- ब्रिटिश संसद को सर्वोच्च माना गया।

कैबिनेट मिशन और संविधान सभा

संविधान की रचना

- **कैबिनेट मिशन :** 24 मार्च, 1946 को कैबिनेट मिशन भारत आया। इस मिशन के सदस्य थे- लॉर्ड पैथिक लारेंस, सर स्ट्रेफोर्ड क्रिप्स, तथा ए.बी. एलेक्जेंडर।
- कैबिनेट मिशन के प्रस्तावों में एक प्रस्ताव संविधान सभा के गठन का भी था।
- कैबिनेट मिशन योजना के अनुरूप संविधान सभा के सदस्यों का चुनाव प्रांतीय विधान सभाओं के सदस्यों द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से किया गया।
- प्रांतों से प्रतिनिधियों की संख्या का निर्धारण प्रति दस लाख की जनसंख्या पर एक प्रतिनिधि के हिसाब से किया गया था।
- संविधान सभा के लिए कुल 389 स्थान निर्धारित किए गए, जिसमें प्रांतों से 292 सदस्यों, देशी रियासतों से 93 सदस्यों तथा कमिश्नरी क्षेत्रों से 4 सदस्यों को लिया जाना था।
- कुल 296 स्थानों के लिए चुनाव हुए जिसमें 208 स्थान कांग्रेस को तथा 73 स्थान मुस्लिम लीग को मिला। 8 स्थान स्वतंत्र प्रत्याशियों को तथा 7 स्थान अन्य राजनीतिक संगठनों को प्राप्त हुआ।
- संविधान सभा का मुस्लिम लीग ने बहिष्कार किया, जिसके कारण संविधान सभा के सदस्यों की संख्या 389 से घटकर 299 हो गयी।
- 9 दिसंबर, 1946 को संविधान सभा की प्रथम बैठक में डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा को अस्थाई अध्यक्ष चुना गया था।
- 11 दिसम्बर, 1946 को डा0 राजेन्द्र प्रसाद को सभा का स्थायी अध्यक्ष चुना गया। बी0एन0 राव को संविधान सभा का संवैधानिक सलाहकार नियुक्त किया गया।
- संविधान सभा की प्रथम बैठक नई दिल्ली स्थित कौंसिल चेम्बर के पुस्तकालय भवन में हुई, जिसे अब 'कांस्टीट्यूशन हाता' कहा जाता है।

भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, 1947
(Indian Independence Act 1947)

(i) भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, 1947 का प्रारूप माउंटबेटेन योजना पर आधारित था। इस योजना को 3 जून, 1947 को प्रस्तुत किया गया।

(ii) इसमें भारत तथा पाकिस्तान दो डोमिनियनों की स्थापना का प्रस्ताव था।

(iii) दोनों राज्यों की सीमा के निर्धारण हेतु सीमा आयोग का गठन किया गया था, जिसके अध्यक्ष सर सिरिल रेडक्लिफ थे।

(iv) इस अधिनियम की प्रवर्तन तिथि 15 अगस्त, 1947 थी।

(v) 15 अगस्त, 1947 से भारतीय शासन अधिनियम, 1935 के अंतर्गत स्थापित सभी संवैधानिक पद स्वतः समाप्त हो गए।

(vi) भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, 1947 के प्रवर्तन के साथ ही ब्रिटिश क्राउन का भारत पर आधिपत्य समाप्त हो गया।

(vii) दोनों राज्यों की स्वतंत्र सत्ता को मान्यता दी गयी तथा उन्हें ब्रिटिश कामनवेल्थ से अलग होने का अधिकार दिया गया।

(viii) दोनों राज्यों को अपने-अपने लिए पृथक संविधान सभा के गठन का अधिकार दिया गया।

(ix) सिविल सेवकों की सेवा शर्तों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया तथा उनकी सेवाएं उसी प्रकार जारी रहीं।

(x) भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, 1947 में यह व्यवस्था की गयी थी कि दोनों देशों की व्यवस्थापिका द्वारा बनाये गए कानूनों को इस आधार पर चुनौती नहीं दी जा सकती है कि वे भारतीय शासन अधिनियम, 1935 अथवा भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, 1947 से मेल नहीं खाते।

(xi) भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, 1947 ब्रिटिश संसद द्वारा 18 जुलाई, 1947 को पारित किया गया था।

संविधान सभा द्वारा संविधान की रचना

- प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. बी. आर. अम्बेडकर थे।
- सम्पूर्ण संविधान के निर्माण में 2 वर्ष 11 महीने और 18 दिन लगे।
- संविधान के प्रारूप पर खंडवार विचार 15 नवम्बर, 1948 से 17 अक्टूबर, 1949 के दौरान पूरा किया गया।
- अन्तिम रूप से संविधान में 395 अनुच्छेद और 8 अनुसूचियाँ थीं।
- संविधान के कुछ प्रावधान 26 नवंबर, 1949 को लागू कर दिये गये और शेष 26 जनवरी, 1950 से लागू हुए।
- संविधान सभा पूर्ण प्रभुसत्ता सम्पन्न संस्था नहीं थी। 15 अगस्त, 1947 भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम प्रवर्तित होने के बाद यह पूर्ण प्रभुता संपन्न संस्था हो गयी।

स्वतंत्र भारत का प्रथम मंत्रिमण्डल

जवाहर लाल नेहरू	:	प्रधानमंत्री, विदेश, कामनवेल्थ संबंध और वैज्ञानिक शोध
सरदार वल्लभ भाई पटेल*	:	गृह, सूचना एवं प्रसारण और राज्य
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद	:	खाद्य एवं कृषि
अबुल कलाम आजाद	:	शिक्षा
जगजीवन राम	:	श्रम
सी. एच. भाभा	:	वाणिज्य
रफी अहमद किदवई	:	संचार
राजकुमारी अमृत कौर	:	स्वास्थ्य
डॉ. बी. आर. अम्बेडकर	:	विधि
आर. के. षणमुखम चेट्टी	:	वित्त
डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी	:	उद्योग एवं आपूर्ति
एन. वी. गाडगिल	:	कार्य खदान एवं ऊर्जा

* 23 अगस्त, 1947 को सरदार वल्लभ भाई पटेल उप प्रधानमंत्री बनाये गये।

- संविधान सभा का 11वाँ एवं अंतिम सत्र 14-26 नवंबर, 1949 को संपन्न हुआ। इसी दिन संविधान को अंतिम रूप से स्वीकार किया गया।
- 26 नवम्बर, 1949 को संविधान सभा द्वारा निर्मित संविधान अन्तिम रूप से स्वीकार किया गया।

Follow us on Instagram Subscribe to our YouTube Channel Find us on facebook Join us on Telegram

- 24 जनवरी, 1950 को संविधान की तीन प्रतियाँ सभा पटल पर रखी गयीं। इस संविधान पर 284 सदस्यों ने एक-एक करके इन तीनों प्रतियों पर हस्ताक्षर किये और उसके बाद 'जन-गण-मन' तथा 'वन्दे मातरम्' के गायन के साथ संविधान सभा के रूप में इस सभा का समापन हो गया और 26 जनवरी, 1950 को यह भारतीय गणराज्य की अन्तरिम संसद के रूप में अवतरित हुई। नए संविधान के अन्तर्गत 1952 में आम चुनाव होने पर नई संसद बनने तक यह कार्य करती रही।

महत्त्वपूर्ण प्रश्न-उत्तर और तथ्य

- भारत के लिए संविधान की रचना हेतु संविधान सभा का विचार सर्वप्रथम प्रस्तुत किया था **—स्वराज पार्टी ने (1934 में)**
- बी.आर. अम्बेडकर का संविधान सभा में निर्वाचन हुआ था **—पश्चिम बंगाल से**
- सन् 1946 में निर्मित अंतरिम सरकार में कार्यपालक परिषद के उपसभापति थे **—जवाहर लाल नेहरू**
  (अंतरिम सरकार के सभापति गवर्नर जनरल थे)
- भारत को संविधान देने का प्रस्ताव संविधान सभा द्वारा पारित किया गया था **—22 जनवरी, 1947 को**
- भारतीय संविधान की प्रारूप समिति का अध्यक्ष थे **—भीमराव अम्बेडकर**
- भारत सरकार द्वारा राजकीय चिह्न अंगीकृत किया गया **—26 जनवरी, 1950 को**
- भारत का संविधान अपनाया गया **—26 जनवरी, 1950 को**
- संविधान सभा के चुने हुए स्थायी अध्यक्ष थे **—डॉ. राजेन्द्र प्रसाद (11 दिसंबर, 1946 ई0)**
- संविधान सभा के प्रथम बैठक की अध्यक्षता किसने की थी? **—डॉ. सच्चिदानन्द सिन्हा (9 दिसंबर, 1946)**
- भारत की संविधान सभा में राष्ट्रीय ध्वज को सर्वप्रथम कब स्वीकार किया गया? **—22 जुलाई, 1947**
- संविधान सभा का गठन कब हुआ था? **—नवंबर, 1946**
- भारत की संविधान सभा का प्रथम अधिवेशन कब शुरू हुआ था? **—9 दिसंबर, 1946**
- संविधान निर्मात्री परिषद की ''झण्डा समिति'' के अध्यक्ष कौन थे? **—जे. बी. कृपलानी**
- संविधान सभा में सदस्यों का चुनाव हुआ था **—प्रांतीय विधान सभाओं द्वारा अप्रत्यक्ष निर्वाचन द्वारा**
- कैबिनट मिशन योजना के अंतर्गत संविधान निर्मात्री परिषद में प्रत्येक प्रांत को आवंटित सदस्य संख्या निर्धारित करने के लिए प्रति-प्रतिनिधित्व जनसंख्या का अनुपात था **—दस लाख**
- भारत का संविधान पूर्णरूप से तैयार हुआ था **—26 नवंबर, 1949 को**
- स्वतंत्र भारत के लिए संविधान की रचना हेतु संविधान सभा का विचार प्रस्तुत किया था **—सर्वदल सम्मेलन ने 1946 में**
- भारत के ध्वज गीत (झण्डा गान) के रचयिता थे **—श्याम लाल गुप्ता पार्षद**
- भारत की संविधान सभा का गठन किया गया था **—कैबिनेट मिशन योजना (1946) के अंतर्गत**
- संविधान सभा के कुल कितने अधिवेशन हुए? **—12**
- संविधान सभा के संघ संविधान समिति के अध्यक्ष थे **—जवाहर लाल नेहरू**
- किसने कहा था, ''भारतीय संविधान अधिक कठोर व अधिक लचीले के मध्य एक अच्छा संतुलन स्थापित करता है''? **—बी. आर. अम्बेडकर**
- भारत के पहले राष्ट्रपति के रूप में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद का चुनाव किया गया था **—संविधान सभा द्वारा**
- भारतीय संविधान सभा के संघीय शक्ति समिति के अध्यक्ष थे **—पं. जवाहर लाल नेहरू**
- भारत का संघीय स्वरूप सर्वप्रथम प्रस्तावित हुआ था **—1935 के अधिनियम द्वारा**
- भारतीय संविधान की रचना में किसका सर्वाधिक गंभीर प्रभाव है? **—भारत सरकार अधिनियम, 1935**
- भारतीय संविधान को संविधानसभा द्वारा अंगीकृत किया गया **—26 नवंबर, 1949 को**

2. उद्देशिका एवं विशिष्ट लक्षण

(Preamble and Salient Features)

प्रत्येक संविधान के प्रारंभ में सामान्यतया एक प्रस्तावना होती है, जिसके द्वारा संविधान के मूल उद्देश्यों को स्पष्ट किया जाता है। भारतीय संविधान के प्रारंभ में भी प्रस्तावना (Preamble) है और यह प्रस्तावना या उद्देशिका संविधान से जुड़ा एक श्रेष्ठ आभूषण है। डायसी ने लिखा है कि—''संविधान की तुलना उस देशी पौधे से की जा सकती है, जो विदेशी भूमि पर नहीं उगता।'' परन्तु, डायसी का यह कथन भारतीय संविधान पर पूर्ण रूप से लागू नहीं होता, क्योंकि भारतीय संविधान के निर्माण में देशी व विदेशी अनेक प्रकार के प्रभावों ने प्रमुख भूमिका निभाई है। दूसरे शब्दों में,भारतीय संविधान में अन्य संविधानों की नकल करते हुए उनके सिद्धांतों को ज्यों का त्यों नहीं ग्रहण किया गया है, इस प्रकार, संविधान निर्माताओं का उद्देश्य ''मौलिक संविधान'' की रचना नहीं वरन् एक ''व्यावहारिक संविधान'' था और ऐसा इसी कारणवश किया गया। इस संदर्भ में डॉ. अम्बेडकर (प्रारूप समिति के अध्यक्ष) का कथन है—''मैं महसूस करता हूँ कि भारतीय संविधान व्यावहारिक है, उसमें परिवर्तन की क्षमता है और इसमें शांतिकाल तथा युद्धकाल में देश की एकता को बनाए रखने की भी सामर्थ्य है।''।

पिछले 15 वर्षों के SSC के प्रश्न पत्रों में ''उद्देशिका एवं विशिष्ट लक्षण''

- भारत में वैध प्रभुसत्ता किसमें निहित है? **—संविधान में**
  (मैट्रिक स्तर (PT) परीक्षा, 2002)
- 'समाजवादी' और 'धर्म-निरपेक्ष' शब्द का समावेशन संविधान के किस संशोधन द्वारा संविधान की उद्देशिका में किया गया? **—42वां संशोधन**
  (मैट्रिक स्तर (PT) परीक्षा, 2002/C.P.O., 2003)
- भारतीय संविधान किस शासन प्रकृति की ओर इंगित करता है? **—संसदीय सरकार**
  (सहायक निरीक्षक नियंत्रक (A.I.C.) परीक्षा, 2003)
- भारतीय संविधान की उद्देशिका में परिवर्तन किस संशोधन अधिनियम में किए गए थे? **—42वां संशोधन अधिनियम, 1976**
  (मैट्रिक स्तर (PT) परीक्षा, 2008)

Follow us on Instagram Subscribe to our YouTube Channel Find us on facebook Join us on Telegram
BY ASHISH TIWARI Akku - Gyan Tak

- भारतीय संविधान नागरिकों के लिए आर्थिक न्याय किसके माध्यम से सुनिश्चित करता है? **—राज्य नीति के निदेशक सिद्धांतों के माध्यम से**
(हायर सेकेण्डरी (10+2) स्तर परीक्षा, 2010)
- भारतीय संविधान कैसा है? **—संघीय**
(मल्टी टास्किंग स्टाफ (MTS) परीक्षा, 2013)
- भारत का संविधान कब लागू हुआ? **—1950 ई.**
(मल्टी टास्किंग स्टाफ (MTS) परीक्षा, 2013)
- भारत में सरकार की संसदीय प्रणाली कहां से ग्रहण की गई है? **—ब्रिटिश संविधान से**
(संयुक्त हायर सेकण्डरी (10+2) स्तर परीक्षा, 2013)
- शक्तियों का विभाजन और स्वतंत्र न्यायपालिका किसकी दो महत्वपूर्ण विशेषताएँ हैं? **—सरकार का संघीय स्वरूप**
(संयुक्त स्नातक स्तरीय प्रा० परीक्षा, 2013)
- किसको 'धर्म निरपेक्ष राज्य' कहा जाएगा? **—धर्मों के बीच भेदभाव न करने वाला राज्य**
(मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ (MTS) परीक्षा, 2014)
- स्वातंत्रवाद किसका द्योतक है?**—सामाजिक, राजनैतिक तथा आर्थिक पहलुओं की स्वतंत्रता**
(संयुक्त स्नातक स्तर (PT) परीक्षा, 2015)
- एकतंत्र का अर्थ है?**—मात्र एक व्यक्ति द्वारा निरंकुश शासन**
(संयुक्त स्नातक स्तर (PT) परीक्षा, 2015)
- फॉसिज्म का विश्वास इस सिद्धांत को लागू करने में है? **—सर्वसत्तावाद**
(संयुक्त स्नातक स्तर (PT) परीक्षा, 2015)
- राज्य के विषय में फासीवाद क्या है? **—राज्य व्यक्तिवाद के संबंधित धारणा को बढ़ाता है**
(संयुक्त स्नातक स्तर (PT) परीक्षा, 2015)

विशिष्ट तथ्य "उद्देशिका एवं विशिष्ट लक्षण"

- संविधान की प्रस्तावना में संविधान के ध्येय एवं उसके आदर्शों को सारगर्भित स्वरूप में प्रस्तुत किया गया है।
- संविधान की मूल प्रस्तावना में 42वें संविधान संशोधन, 1976 द्वारा समाजवादी, पंथ निरपेक्ष तथा अखंडता शब्दों को जोड़ा गया।

उद्देशिका

हम भारत के लोग भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-सम्पन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में

व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखण्डता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिती मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

- पूर्व में प्रस्तावना को संविधान का भाग नहीं माना जाता था, किन्तु बेरुबाड़ी बनाम भारत संघ के वाद में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा प्रस्तावना को संविधान का भाग माना गया।
- केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य (AIR, 1973, SC, 1461) में सर्वोच्च न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि संविधान की प्रस्तावना में संशोधन किया जा सकता है, किन्तु संसद को कोई ऐसा संशोधन करने का अधिकार नहीं है, जो संविधान के आधारभूत ढांचे को विखंडित करता हो। इसका सीधा अर्थ यह है कि संविधान की प्रस्तावना में उल्लिखित मूल दर्शन में किसी प्रकार का संशोधन नहीं किया जा सकता है।
- प्रस्तावना में भारत को गणराज्य घोषित किया गया है, जिसका अर्थ संविधान के अधीन सभी प्राधिकारों का स्रोत भारत की जनता है। साथ ही, संविधान के अंतर्गत कोई पद आनुवंशिक नहीं रहेगा।
- प्रस्तावना में एक लोकहितकारी लोकतंत्रात्मक प्रशासन की कल्पना की गयी है, जो भारत की जनता द्वारा निर्मित है। इस प्रकार प्रस्तावना में सं०रा० अमेरिका के राष्ट्रपति तथा लोकतंत्र के मुखर समर्थक अब्राहम लिंकन की 'जनता द्वारा, जनता के लिए, जनता का शासन' जैसी पवित्र भावना को पूरी तरह आत्मसात किया गया है।
- 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा संविधान की प्रस्तावना में पंथ निरपेक्ष शब्द को जोड़ा गया है। इसका आशय यह है कि राज्य का अपना कोई पंथ अथवा धर्म नहीं होगा। राज्य सभी मतों का समान रूप से आदर करेगा तथा किसी भी मत अथवा विचारधारा को प्रश्रय नहीं देगा।
- प्रस्तावना संविधान का एक भाग है, किन्तु वह न्याय योग्य नहीं है।

महत्त्वपूर्ण प्रश्न-उत्तर और तथ्य

- भारत एक गणतंत्र है, इसका अर्थ है **—भारत में वंशानुगत शासन नहीं है**
- भारत के कल्याणकारी राज्य होने का विचार पाया जाता है **—संविधान की प्रस्तावना/राज्य के नीति-निदेशक तत्वों में**
- भारतीय संविधान की प्रस्तावना में जिन आदर्शों एवं उद्देश्यों की रूपरेखा दी गई है, उसकी व्याख्या की गई है **—संविधान के पाठ में कहीं नहीं**
- कौन भारत को धर्म-निरपेक्ष राज्य वर्णित करता है? **—संविधान की प्रस्तावना**
- भारतीय संविधान की उद्देशिका में परिवर्तन किया गया था **—42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा**
- 26 जनवरी, 1950 के बाद भारत है **—एक संप्रभुता संपन्न प्रजातांत्रिक गणतंत्र**
- भारत का संविधान अपनाया गया था **—संविधान सभा द्वारा**
- भारतीय संविधान की प्रस्तावना में भारत को किस रूप में वर्णित किया गया है? **—संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न समाजवादी पंथ निरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य**
- किस संविधान संशोधन द्वारा प्रस्तावना में 'समाजवादी', 'पंथनिरपेक्ष' तथा 'राष्ट्र की अखंडता' शब्द जोड़े गए? **—42वां संशोधन, 1976**

Follow us on Instagram Subscribe to our YouTube Channel Find us on facebook Join us on Telegram

3. संघ और उसका राज्य क्षेत्र

(Union and It's Territory)

"भारत संघ" का तात्पर्य "भारत का राज्य क्षेत्र" से भिन्न है। संघ में केवल वे राज्य हैं, जो संघात्मक व्यवस्था के सदस्य के रूप में हैं और शक्ति के वितरण में जो संघ के हिस्सेदार हैं। "भारत के राज्य क्षेत्र" के अंतर्गत वह समस्त राज्य क्षेत्र हैं, जिस पर तत्समय भारत की प्रभुता का विस्तार है। संघ राज्य क्षेत्र, केन्द्रशासित प्रदेश हैं, जिनका शासन राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त प्रशासक के माध्यम से राष्ट्रपति चलाते हैं।

पिछले 15 वर्षों के SSC के प्रश्न पत्रों में "संघ और उसका राज्य क्षेत्र"

- भारत का संविधान देश को किस रूप में वर्णित करता है? **—राज्यों का संघ**
  (मैट्रिक स्तर (PT) परीक्षा, 1999/2000)
- शासन की संघीय प्रणाली किस अधिनियम के अंतर्गत की गई थी? **—गवर्नमेंट ऑफ इण्डिया एक्ट, 1935**
  (मैट्रिक स्तर (PT) परीक्षा, 2002)
- संविधान के अनुच्छेद-I में भारत को क्या कहा गया? **—राज्यों का संघ**
  (मैट्रिक स्तर (PT) परीक्षा 2002)
- नया राज्य बनाने या वर्तमान राज्यों की सीमाएं बदलने का अधिकार किसको है? **—संसद को**
  (लोअर डिवीजन क्लर्क (L.D.C.) परीक्षा, 2005)
- राज्य पुनर्गठन आयोग की सिफारिशों के अनुसार भारतीय राज्यों का व्यापक पुनर्गठन कब पूरा किया गया था? **—1956 ई. में**
  (स्नातक स्तर (PT) परीक्षा, 2008)
- कौन सा राज्य भारत का संरक्षित राज्य है? **—सिक्किम**
  (मल्टी टास्किंग स्टाफ (MTS) परीक्षा, 2013)
- भाषायी आधार पर भारत में पहला राज्य कौन सा बनाया गया? **—आन्ध्र प्रदेश**
  (मल्टी टास्किंग स्टाफ (MTS) परीक्षा, 2013)
- लक्षद्वीप समूह का मुख्यालय कहां है? **—कावारत्ती**
  (मल्टी टास्किंग स्टाफ (MTS) परीक्षा, 2013)
- भारत में राज्यों की सीमाओं को बदलने का अधिकार किसके पास है? **—संसद**
  (स्टेनोग्राफर ग्रेड डी परीक्षा, 2013)

विशिष्ट तथ्य : "संघ और उसका राज्य क्षेत्र"

- संविधान के अनुच्छेद 1 में भारत को इंडिया (India) संबोधित करते हुए कहा गया है कि यह राज्यों का संघ (union) होगा।
- भारत संघ की संसद अनुच्छेद 2 के अनुसार संघ में नए राज्यों का प्रवेश अथवा उसकी स्थापना कर सकती है।
- अनुच्छेद 3 के अनुसार संसद विधि द्वारा-

(i) किसी राज्य से उसका राज्य क्षेत्र अलग करके अथवा दो या अधिक राज्यों को या राज्यों के भाग को मिलाकर अथवा किसी राज्य क्षेत्र को किसी राज्य के भाग के साथ मिलाकर नए राज्य का निर्माण कर सकेगी। साथ ही—

(ii) किसी राज्य का क्षेत्र बढ़ा सकेगी।

(iii) किसी राज्य का क्षेत्र घटा सकेगी।

(iv) किसी राज्य क्षेत्र की सीमाओं में परिवर्तन कर सकेगी।

(v) किसी राज्य के नाम में परिवर्तन कर सकेगी।

वर्तमान स्थिति (भारत संघ : 28 राज्य)			
1. आंध्र प्रदेश	8. महाराष्ट्र	15. जम्मू-कश्मीर	22. सिक्किम
2. असम	9. कर्नाटक	16. नगालैंड	23. मिजोरम
3. बिहार	10. ओडिशा	17. हरियाणा	24. अरुणाचल प्रदेश
4. गुजरात	11. पंजाब	18. हिमाचल प्रदेश	25. गोवा
5. केरल	12. राजस्थान	19. मणिपुर	26. छत्तीसगढ़
6. मध्य प्रदेश	13. उत्तर प्रदेश	20. त्रिपुरा	27. उत्तराखण्ड
7. तमिलनाडु	14. प० बंगाल	21. मेघालय	28. झारखण्ड
संघ राज्य क्षेत्र : 7			
1. अंडमान निकोबार द्वीप समूह	2. चंडीगढ़	3. दादर एवं नागर हवेली	4. दमन एवं दीव
5. दिल्ली	6. लक्षद्वीप	7. पुडुचेरी	

Follow us on Instagram
Subscribe to our YouTube Channel
Find us on Facebook
Join us on Telegram

महत्त्वपूर्ण प्रश्न-उत्तर और तथ्य

- भारतीय राज्यों का भाषाई आधार पर पुनर्गठन किया गया था— **1956 में**
- भारतीय संविधान भारत का वर्णन किस रूप में करता है? **—राज्यों का संघ**

प्रतियोगी परीक्षाओ कि तैयारी करने वाले छात्रो के लिए thejobsyogi.com website अत्यंत लाभकारी है !

website कि विशेषता--

👉प्रतिदिन छत्तीसगढ़,राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय करंट अफेयर अपडेट किया जाता है ।

👉CGPSC,VYAPAM और UPSC के प्रश्न पत्र और सभी एग्जाम के सिलेबस ।

👉करंट अफेयर पीडीएफ मासिक संकलन निःशुल्क।

👉छत्तीसगढ़ ,कंप्यूटर,भूगोल,विज्ञान अर्थव्यवस्था, गणित, संविधान आदि सभी विषयो का पीडीएफ डाउनलोड कर सकते है।

👉मुख्य परीक्षा के लिए रोजाना प्रैक्टिस प्रश्न, निबन्ध के लिए प्रतिदिन संपादकीय अपडेट ।

👉इंफोग्राफ और माइंड मैप द्वारा विषयवार जानकारी।

👉रोजगार कि सुचना , एग्जाम के लिए टेस्ट पेपर।

👉प्रतिदिन मोटिवशनल स्टोरी ।

thejobsyogi.com

join telegram group thejobsyogi

4. नागरिकता

(Citizenship)

किसी भी संप्रभु राष्ट्र या देश में निवास करने वाली जनसंख्या को दो वर्गों में अर्थात् नागरिक और विदेशी में विभाजित किया जा सकता है। तदनुसार नागरिक केवल वही व्यक्ति होगा या होता है, जिसे राज्य की ओर से सभी नागरिक और राजनीतिक अधिकार प्रदान किए जाते हैं। यद्यपि संघात्मक शासन वाले कतिपय राष्ट्रों जैसे कि अमेरिका, स्विट्जरलैण्ड में दोहरी नागरिकता का प्रावधान है, तथापि भारत में सभी भारतीय नागरिकों के लिए इकहरी नागरिकता का प्रावधान है। भारतीय संविधान के भाग-3 में अनुच्छेद 15, 16, 19, 29, और 30 के अंतर्गत प्राप्त मूल अधिकार केवल भारतीय नागरिकों को ही प्राप्त हैं। ज्ञातव्य है कि कुछ परिस्थितियों में नागरिकता के अपवाद से संबंधित विषय में कानून बनाने का एकमात्र अधिकार संघ की संसद को ''अनुच्छेद-16(3)'' के अंतर्गत प्राप्त है।

पिछले 15 वर्षों के SSC के प्रश्न पत्रों में ''नागरिकता ''

- एक व्यक्ति नागरिकता के अधिकार कैसे खो सकता है?
  —यदि वह दूसरे राज्य की नागरिकता ले लेता है।
  (मल्टी टास्किंग स्टाफ (MTS) परीक्षा, 2013)
- भारतीय संविधान में नागरिकता के प्रावधान कब लागू हुए?
  —1949 ई.
  (संयुक्त स्नातक स्तरीय प्रा. परीक्षा, 2013)
- भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद संसद को नागरिकता का अधिकार विनियमित करने की शक्ति देता है?
  —अनुच्छेद 11
  (मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ (M.T.S.) परीक्षा, 2014)

विशिष्ट तथ्य ''नागरिकता''

- संविधान के अनुच्छेद 5-11 में नागरिकता संबंधी उपबंध दिए गए हैं।
- संविधान के अनुच्छेद 5 में संविधान के प्रारंभ होने के समय की नागरिकता की व्याख्या की गयी है। इस अनुच्छेद के अनुसार-
  (i) जो भारत के राज्य के क्षेत्र में जन्मा था,
  (ii) जो संविधान लागू होने के ठीक पूर्व कम से कम 5 वर्ष तक भारत के राज्य क्षेत्र का मामूली तौर पर निवासी रहा हो,
  (iii) जिसके माता-पिता में से कोई एक भारत के राज्य क्षेत्र में जन्मा था, भारत का नागरिक समझा जायेगा।

5. मूल अधिकार

(Fundamental Rights)

वर्तमान समय में ऐसा माना जाता है कि राज्य की शक्ति पर ऐसे नियंत्रण स्थापित किए जाने चाहिए, जिनसे राज्य नागरिकों पर मनमानी शक्ति का प्रयोग न कर सके। राज्य की शक्ति पर ऐसे प्रतिबंध मौलिक अधिकारों के माध्यम से ही लगाए जा सकते हैं। इसी बात को दृष्टि में रखकर फ्रांस, अमेरिका, आदि देशों के संविधानों में मौलिक अधिकारों को स्थान दिया गया है। पायली के अनुसार, ''मौलिक अधिकार एक ही समय पर शासकीय शक्ति से व्यक्ति स्वातन्त्र्य की रक्षा करते हैं और शासकीय शक्ति द्वारा व्यक्ति स्वातन्त्र्य को सीमित करते हैं। इस प्रकार मौलिक अधिकार व्यक्ति और राज्य के बीच सामंजस्य स्थापित कर राष्ट्रीय एकता और शक्ति में वृद्धि करते हैं।'' भारतीय संविधान सभा के सदस्यों ने ब्रिटिश शासन के अत्याचार प्रत्यक्ष रूप में देखे थे और बहुतों के द्वारा इन अत्याचारों की भयानकता स्वयं अनुभव की गई थी। यही कारण था कि डॉ. अम्बेडकर ने कहा था—''भारत में इन अधिकारों को विधानमण्डल या सरकारों की इच्छा पर छोड़ देना उचित नहीं है, क्योंकि भारत में लोकतंत्र अब तक पूर्ण रूप से पनप नहीं पाया है, इसलिए इन अधिकारों को संविधान में रख दिया गया।''

पिछले 15 वर्षों के SSC के प्रश्न पत्रों में ''मूल अधिकार''

- यदि किसी मनुष्य को संचालन की स्वतंत्रता नहीं दी जाती है, तो इसका अर्थ कौन सी स्वतंत्रता से वंचित करना है?
  —नागरिक स्वतंत्रता
  (स्टेनोग्राफर (ग्रेड-डी) परीक्षा, 1998)
- भारतीय नागरिकों के मौलिक अधिकार दिए गए हैं?
  —संविधान के भाग-III में
  (लोअर डिवीजन क्लर्क (L.D.C) परीक्षा, 1998)
- मौलिक अधिकारों को लागू करने के लिए किसी न्यायालय द्वारा क्या जारी किया जाता है?
  —समादेश (रिट)
  (स्नातक स्तर (PT) परीक्षा, 2002)
- किस मौलिक अधिकार को डॉ. बी.आर. अम्बेडकर ने ''संविधान का हृदय एवं आत्मा'' की संज्ञा दी?
  —संवैधानिक उपचारों का अधिकार
  (मैट्रिक स्तर (PT) परीक्षा, 2001)
- किस याचिका (रिट के अधीन किसी कर्मचारी को ऐसी कार्यवाही करने से रोका जा सकता है, जिसके लिए वह सरकारी तौर पर हकदार नहीं है?
  —अधिकार-पृच्छा रिट
  (मैट्रिक स्तर (PT) परीक्षा, 2002)
- भारत के संविधान में मौलिक अधिकार—**मूल संविधान के हिस्से थे**
  (मैट्रिक स्तर (PT) परीक्षा, 2002)
- भारत के संविधान में ''संवैधानिक उपचार का अधिकार'' किस

Follow us on Instagram Subscribe to our YouTube Channel Find us on facebook Join us on Telegram

अनुच्छेद में दिया गया है? —**अनुच्छेद 32**
(मैट्रिक स्तर (PT) परीक्षा, 2002)

- नौकरियों और शैक्षिक संस्थाओं में समाज के कमजोर वर्ग के लिए आरक्षण उपलब्ध कराने हेतु केंद्र सरकार को संविधान का कौन सा प्रावधान अधिकार देता है? —**अनुच्छेद 16**
(कर सहायक (टैक्स असिस्टेंट) परीक्षा, 2004)
- भारतीय संविधान का कौन सा अनुच्छेद नागरिकों को कानून के सामने समानता और कानूनों की समान सुरक्षा को गारंटी देता है? —**अनुच्छेद 14**
(C.P.O. (सब-इंस्पेक्टर्स) परीक्षा, 2005)
- भारतीय संविधान का अनुच्छेद-19 प्रदान करता है? —**स्वतंत्रताओं को**
(C.P.O. (सब-इंस्पेक्टर्स) परीक्षा, 2005)
- मौलिक अधिकारों को सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी किसको सौंपी गई है? —**उच्च न्यायालयों और उच्चतम न्यायालय को**
(मैट्रिक स्तर (PT) परीक्षा, 2006)
- किसी धर्म विशेष के संवर्धन के लिए करों के भुगतान को अनिवार्यता से मुक्ति की गारण्टी संविधान के किस अनुच्छेद में दिया गया है? —**अनुच्छेद 27**
(मैट्रिक स्तर (PT) परीक्षा, 2006)
- भारतीय संविधान के अनुसार 'जीवन का अधिकार' कैसा अधिकार है? —**मौलिक अधिकार**
(स्नातक स्तर (PT) परीक्षा, 2006)
- मूलभूत अधिकारों की सूची में से किस संविधान संशोधन द्वारा ''सम्पत्ति के अधिकार'' को हटाया गया? —**44वां संशोधन**
(डाटा एण्ट्री ऑपरेटर (D.E.O.) परीक्षा, 2008)
- संविधान के अंतर्गत ''शिक्षा का अधिकार'' कैसा अधिकार है? —**मौलिक अधिकार**
(हायर सेकेण्डरी (10+2) स्तर परीक्षा, 2011)
- किसी कानूनी अदालत द्वारा लागू किया जा सकता है? —**मौलिक अधिकार को**
(मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ (M.T.S.) परीक्षा, 2011)
- वह कौन सी रिट है, जो केवल किसी सरकारी पदाधिकारी के विरुद्ध लागू की जा सकती है? —**परमादेश**
(स्टेनोग्राफर (ग्रेड-सी एवं डी) परीक्षा, 2011)
- मूल अधिकारों से संबंधित मामला है? —**गोलकनाथ बनाम पंजाब राज्य (1967 ई.)**
(हॉयर सेकेण्डरी (10+2) स्तर परीक्षा, 2011)
- भारतीय संविधान में मूलभूत अधिकार किस देश के सांविधान से लिये गये थे? —**अमेरिका**
(मल्टी टास्किंग स्टाफ (MTS) परीक्षा, 2013)
- भारतीय संविधान के अनुसार सम्पत्ति का अधिकार अब क्या है? —**विधिक अधिकार**
(मल्टी टास्किंग स्टाफ (MTS) परीक्षा, 2013)
- सूचना का अधिकार किस पर आधारित है? —**अनु० 19(ए) के अंतर्गत नीहित बातों को जानने का अधिकार**
(मल्टी टास्किंग स्टाफ (MTS) परीक्षा, 2013)
- संविधान की किस धारा के अंतर्गत कोई भी व्यक्ति मूलभूत अधिकारों के हनन का मामला सीधे सर्वोच्च न्यायालय में उठा सकता है? —**धारा 32**
(संयुक्त हायर सेकण्डरी (10+2) स्तर परीक्षा, 2013)
- भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में सरकारी रोजगार में नागरिकों के लिए समान अवसरों का प्रावधान है? —**अनुच्छेद 16**
(केन्द्रीय पुलिस संगठन (CPO) एस. आई. परीक्षा, 2013)
- भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद को डॉ बी.आर. अम्बेडकर ने भारतीय संविधान का हृदय और आत्मा कहा?—**अनुच्छेद 32**
(संयुक्त स्नातक स्तरीय प्रा. परीक्षा, 2013)
- भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत सशस्त्र बलों के सदस्यों के मौलिक अधिकारों को विशेष रूप से प्रतिबंधित किया जा सकता है? —**अनुच्छेद 32**
(संयुक्त स्नातक स्तरीय प्रा. परीक्षा, 2013
- मौलिक अधिकारों पर यथोचित प्रतिबंध कौन लगा सकता है? —**संसद**
(संयुक्त स्नातक स्तरीय प्रा. परीक्षा, 2013)
- भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद द्वारा अस्पृश्यता (छुआछूत) को समाप्त किया गया है? —**अनुच्छेद 17**
(केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल/दिल्ली पुलिस एस.आई.परीक्षा, 2013)

विशिष्ट तथ्य ''मौलिक अधिकार''

- संविधान के मूल प्रारूप में कुल 7 मौलिक अधिकारों का उल्लेख किया गया था।
- 44वें संविधान संशोधन द्वारा 1978 में संपत्ति के अधिकार से संबंधित अनुच्छेद 19 (1) (च) तथा अनुच्छेद 31 को निरसित कर दिया गया।
- इस प्रकार संपत्ति के अधिकार को मूल अधिकार की श्रेणी से हटा कर विधिक अधिकार की श्रेणी में रखते हुए अनुच्छेद 300 (क) का सृजन किया गया।
- वर्तमान में संविधान प्रदत्त मूल अधिकारों की संख्या 6 है-
  1. समानता का अधिकार - (अनु. 14-18)।
  2. विचारों की अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता का अधिकार- (अनु० 19-22)।
  3. शोषण से रक्षा का अधिकार- (अनु. 23-24)।
  4. धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार-(अनु. 25-28)।
  5. संस्कृति व शिक्षा सम्बन्धी अधिकार-(अनु. 29-31)।
  6. संवैधानिक उपचारों का अधिकार-(अनु. 32-35)।

BY ASHISH TIWARI Akku - Gyan Tak

भारत के नागरिकों तथा गैर नागरिकों को प्राप्त मौलिक अधिकार

भारतीय संविधान के भाग 3 में उल्लिखित सभी मौलिक अधिकार भारत के नागरिकों को प्राप्त हैं। इनमें से कतिपय अधिकार मात्र नागरिकों के लिए हैं, जबकि कतिपय मौलिक अधिकार गैर नागरिकों को भी दिए गए हैं-

(i) मात्र नागरिकों को प्राप्त मौलिक अधिकार

अनुच्छेद 15-	धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग, जन्म स्थान के आधार पर विभेद का प्रतिषेध।
अनुच्छेद 16-	नौकरियों में अवसर की समानता।
अनुच्छेद 19-	वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता।
अनुच्छेद 29-	अल्पसंख्यक वर्गों के हितों का संरक्षण
अनुच्छेद 30-	अल्पसंख्यकों द्वारा शिक्षण संस्थाओं की स्थापना एवं प्रशासन।

(ii) गैर नागरिकों को भी प्राप्त मौलिक अधिकार

अनुच्छेद 14-	विधि के समक्ष समानता।
अनुच्छेद 20-	दोष सिद्ध के संबंध में संरक्षण।
अनुच्छेद 21-	प्राण एवं दैहिक स्वतन्त्रता।
अनुच्छेद 23-	मानव व्यापार एवं बलात् श्रम का प्रतिषेध।
अनुच्छेद 24-	संकटापन्न स्थानों पर बालकों के नियोजन का प्रतिषेध।
अनुच्छेद 25-	धार्मिक स्वतन्त्रता।
अनुच्छेद 26-	धार्मिक कार्यों के प्रबंध की स्वतन्त्रता।
अनुच्छेद 27-	किसी विशेष धर्म की अभिवृद्धि की स्वतन्त्रता।
अनुच्छेद 28-	शिक्षण संस्थाओं में धार्मिक उपासना में उपस्थित होने के संबंध में स्वतन्त्रता।

मौलिक अधिकार (Fundamental Rights): तथ्यात्मक सारणी

समता का अधिकार	स्वतन्त्रता का अधिकार	शोषण के विरूद्ध अधिकार	धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार	संस्कृति और शिक्षा संबंधी अधिकार	संवैधानिक उपचारों का अधिकार
(i) विधि के समक्ष समता तथा विधि का समान संरक्षण (अनुच्छेद 14)। (ii) धर्म, जाति, वंश आदि के आधार पर विभेद का प्रतिषेध (अनुच्छेद (15) (iii) लोक नियोजन में अवसरों की समानता (अनुच्छेद 16)। (iv) अस्पृश्यता का अंत (अनुच्छेद 17)। (v) उपाधियों का अंत (अनुच्छेद 18)।	(i) वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता, सम्मेलन संगम, विचरण, वृत्ति, एवं निवास की स्वतंत्रता (अनुच्छेद 19)। (ii) अपराधों के लिए दोष सिद्धि के संबंध में संरक्षण (अनुच्छेद20)। (iii) प्राण एवं दैहिक स्वतंत्रता (अनुच्छेद21)। (iv) कुछ दशाओं में गिरफ्तारी एवं निरोध से संरक्षण (अनुच्छेद22)।	(i) मानव के दुर्व्यापार एवं बलात् श्रम का प्रतिषेध (अनुच्छेद 23) (ii) संकटापन्न स्थलों में बालकों के नियोजन का प्रतिषेध (अनुच्छेद 24)।	(i) अंतःकरण की तथा धर्म के अबाध रूप से मानने की स्वतंत्रता (अनुच्छेद 25)। (ii) धार्मिक कार्यों के प्रबंध की स्वतंत्रता (अनुच्छेद 26)। (iii) किसी विशिष्ट धर्म की अभिवृद्धि के लिए करों के संदाय संबंध में स्वतंत्रता (अनुच्छेद (27)। (iv) शिक्षा संस्थाओं में धार्मिक उपासना में उपस्थित होने के संबंध में स्वतंत्रता (अनुच्छेद 28)।	(i) अल्पसंख्यकों को अपनी भाषा लिपि तथा संस्कृति को बनाए रखने की स्वतंत्रता (अनुच्छेद 29)। (ii) शिक्षा संस्थाओं की स्थापना तथा प्रशासन करने का अधिकार (अनुच्छेद 30)।	(i) सभी पांचों मौलिक अधिकारों को न्यायालय द्वारा प्रवर्तित कराने का अधिकार। न्यायालय द्वारा बंदी प्रत्यक्षीकरण, परमादेश, प्रतिषेध, उत्प्रेषण तथा अधिकार पृच्छा नामक प्रलेख जारी करवाए जा सकते हैं (अनुच्छेद 32)।

प्रलेख : तथ्यात्मक सारणी

प्रलेख	प्रकार	आवेदन कौन कर सकता है	जिसके विरुद्ध जारी किया जाता है	जारी किए जाने की स्थिति
बंदी प्रत्यक्षीकरण (Habeas corpus)	सामान्य	पीड़ित व्यक्ति की ओर से कोई भी	निरूद्ध करने वाली राज्य सहित कोई भी एजेंसी	व्यक्ति को निरुद्ध किए जाने के बाद
परमादेश (Mandamus)	सामान्य	पीड़ित व्यक्ति	लोक अधिकारी, सरकारी निगम, न्यायिक अधिकारी	संबंधित कृत्य लोक अधिकारी का विधिक कर्तव्य होना चाहिए
प्रतिषेध (Prohibition)	न्यायिक	पीड़ित व्यक्ति	अधीनस्थ न्यायालय, अर्ध न्यायिक अधिकारी	न्यायिक त्रुटि होने के पूर्व
उत्प्रेषण (Certiorari)	न्यायिक	पीड़ित व्यक्ति	अधीनस्थ न्यायालय, अर्ध न्यायिक अधिकारी	न्यायिक त्रुटि होने के पश्चात्
अधिकार पृच्छा (Quo warranto)	सामान्य	कोई भी व्यक्ति	लोक अधिकारी	लोक अधिकारी को विधिक रूप से पद धारण का अधिकार नहीं होना चाहिए।

BY ASHISH TIWARI Akku - Gyan Tak

संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies)

- अनुच्छेद 32-35 में दिए गए संवैधानिक उपचारों के अधिकार के द्वारा मौलिक अधिकारों को न्यायालय द्वारा प्रवर्तनीय बनाया गया है।
- इन अनुच्छेदों को डॉ. भीमराव अम्बेडकर द्वारा संविधान की आत्मा कहा गया है।
- इन अनुच्छेदों के अंतर्गत न्यायालय प्रलेख (writ) जारी कर अनुतोष प्रदान करता है।
- अनुच्छेद 352 के अन्तर्गत घोषित आपात कालीन स्थिति में अनुच्छेद 21 और 22 का निलम्बन नहीं होता, किन्तु अनुच्छेद 19 का निलम्बन स्वतः हो जाता है।
- अनुच्छेद 32 का निलम्बन संविधान द्वारा अन्यथा उपबंधित किए जाने के अतिरिक्त नहीं किया जा सकता है।

सूचना का अधिकार (Right to Information)

- यद्यपि सूचना का अधिकार विधिक अधिकार है, तथापि इसे सर्वोच्च न्यायालय ने संविधान के अनुच्छेद 19(1-क) के अंतर्गत सन्निहित माना है।
- नागरिकों को किसी भी सरकारी अथवा सार्वजनिक प्रतिष्ठान से सूचना प्राप्त करने का अधिकार सूचना अधिकार अधिनियम 2005 के अंतर्गत किया गया है।
- कोई भी नागरिक निर्धारित शुल्क जमा करके किसी भी लोक अधिकारी से संबंधित सूचना 30 दिनों के अंदर लिखित रूप में प्राप्त कर सकता है।
- सूचना न प्राप्त होने पर राज्य सूचना आयोग तदुपरांत केन्द्रीय सूचना आयोग से शिकायत (अपील) की जा सकती है।
- नागरिकों का यह अधिकार देश की सुरक्षा, वैदेशिक संबंधों पर पड़ने वाले प्रभावों, गुप्तचर ब्यूरो इत्यादि के मामलों में प्रतिबंधित है।

विशिष्ट तथ्य ''मूल अधिकार''

- भारतीय संविधान के किस अनु. में प्रेस की स्वतंत्रता अंतर्निहित है? **—अनु. 19(1)क**
- संविधान के किस अनुच्छेद द्वारा सिखों द्वारा कृपाण धारण करना धार्मिक स्वतंत्रता का अंग माना गया है? **—अनु. 25**
- मूल अधिकारों के अंतर्गत नहीं आता है **—संपत्ति का अधिकार/सूचना का अधिकार**
- भारतीय संविधान के कौन से अनुच्छेद में किसी भी रूप में 'अस्पृश्यता निषेध' का प्रावधान है? **—अनुच्छेद 17**
- संपत्ति का अधिकार एक **—वैधानिक अधिकार है (अनुच्छेद 300क)**
- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25 का संबंध है **—धर्म की स्वतंत्रता के अधिकार से**
- भारतीय संविधान का कौन सा अनुच्छेद अल्पसंख्यकों को अपनी पसंद की शिक्षण संस्थाओं को स्थापित एवं संचालित करने का अधिकार प्रदान करता है? **—अनुच्छेद 30**
- कौन से अधिकार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 32 के अंतर्गत प्रवर्तित किए जा सकते हैं? **—मौलिक अधिकार**
- भारतीय संविधान का कौन सा अनुच्छेद व्यक्ति के विदेश यात्रा के अधिकार को संरक्षण प्रदान करता है? **—अनुच्छेद 21** (प्राण व दैहिक स्वतंत्रता का अधिकार)
- भारतीय संविधान का कौन सा अनुच्छेद विधायन सत्ता पर पूर्ण नियंत्रण लगाता है? **—अनुच्छेद 14 (विधि के समक्ष समता)**
- संविधान के अनुच्छेद 13 का मुख्य उद्देश्य किसके संदर्भ में संविधान की सर्वोच्चता सुनिश्चित करना है? **—मौलिक अधिकार**
- भारत का संविधान स्पष्टतः प्रेस की आजादी की व्यवस्था नहीं करता, किंतु यह आजादी अंतर्निहित है**—अनु. 19(1)क में**

6. राज्य की नीति के निदेशक तत्व

(Directive Principles of State Policy)

भारतीय संविधान की एक प्रमुख विशेषता नीति निर्देशक तत्व हैं। विश्व के अन्य देशों के संविधानों में आयरलैण्ड के संविधान को छोड़कर अन्य किसी देश के संविधान में इस प्रकार के तत्व नहीं हैं। संविधान निर्माताओं का लक्ष्य भारत में लोक कल्याणकारी राज्य की स्थापना था और इसलिए उन्होंने नीति निर्देशक तत्वों में ऐसी बातों का समावेश किया, जिन्हें कार्यरूप में परिणत किए जाने पर एक लोक कल्याणकारी राज्य की स्थापना संभव हो सकती है। भारतीय संविधान के भाग 4 में अनुच्छेद 36 से 51 तक राज्य के नीति के निदेशक तत्व का उल्लेख है।

पिछले 15 वर्षों के SSC के प्रश्न पत्रों में ''राज्य के नीति के निदेशक तत्व''

- दुनिया के किस देश से भारतीय संविधान में ''राज्य के नीति निदेशक सिद्धांत'' की संकल्पना को अंगीकार किया गया? **—आयरलैण्ड**
  (C.P.O. (सब-इंस्पेक्टर्स) परीक्षा 2003/ S.A.S.A. परीक्षा, 2010/(हायर सेकेण्डरी (10+2) स्तर परीक्षा, 2011)
- ''राज्य के नीति निदेशक सिद्धांत'' के साथ भारतीय संविधान का कौन सा भाग संबंधित है? **—भाग-IV**
  (सेक्शन ऑफीसर्स (कामर्शियल ऑडिट) परीक्षा, 2008)
- भारत के संविधान का कौन सा अनुच्छेद भारत को कल्याणकारी राज्य घोषित करने से संबंधित है? **—अनुच्छेद 39**
  (स्टेनोग्राफर (ग्रेड-सी एवं डी) परीक्षा, 2011)

Follow us on Instagram Subscribe to our YouTube Channel Find us on facebook
BY ASHISH TIWARI Akku - Gyan Tak

* भारतीय संविधान के किस भाग में सामाजिक एवं आर्थिक लोकतंत्र को सुनिश्चित किया गया है?—**राज्य नीति के निर्देशक सिद्धान्त**
(मल्टी टास्किंग स्टाफ (MTS) परीक्षा, 2013)
* भारतीय संविधान का कौन सा अनुच्छेद यह निर्धारित करता है कि राजकीय नीति के निर्देशक सिद्धान्त किसी न्यायालय द्वारा लागू नहीं किए जा सकते? —**अनुच्छेद 37**
(संयुक्त हायर सेकण्डरी (10+2) स्तर परीक्षा, 2013)
* भारत के संविधान में शामिल राज्य नीति के निर्देशक सिद्धान्तों की अवधारणा किसके संविधान से ली गई थी? —**आयरलैंड**
(संयुक्त स्नातक स्तरीय प्रा0 परीक्षा, 2013)

विशिष्ट तथ्य ''राज्य के नीति निदेशक तत्व''

* संविधान के भाग 4 में अनुच्छेद 36-51 के अन्तर्गत राज्य के नीति निदेशक तत्वों का वर्णन किया गया है।
* नीति निदेशक तत्वों से आशय उन सिद्धान्तों से है, जिन्हें राज्य अपनी नीतियों के निर्धारण में आधारभूत स्थान प्रदान करेगा।
* संविधान में नीति निदेशक तत्वों का विचार आयरलैण्ड के संविधान से लिया गया है।
* नीति निदेशक तत्वों को वैधानिक शक्ति नहीं प्राप्त है, अर्थात इसे न्यायालय द्वारा लागू नहीं कराया जा सकता है।
* मौलिक अधिकार न्याय योग्य हैं, जबकि नीति निदेशक तत्वों को न्यायालय द्वारा प्रवर्तित नहीं कराया जा सकता।
* मौलिक अधिकार का उपयोग नागरिकों द्वारा किया जाता है, जबकि नीति निदेशक तत्व राज्यों के लिए है।
* मौलिक अधिकारों का स्पष्ट एवं निश्चित उल्लेख किया गया है, जबकि नीति निदेशक तत्वों में सामान्य उद्देश्य एवं सिद्धान्तों की चर्चा की गयी है।

42वें संविधान संशोधन द्वारा जोड़े गए नीति निदेशक तत्व

* पर्यावरण एवं वन्य जीव संरक्षण (अनु0 48 क)
* बालकों, अल्पवयस्कों को शोषण से बचाना तथा स्वस्थ विकास का अवसर पाने का अधिकार (अनु0 39 (च))
* समान न्याय एवं निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने का अधिकार (अनु. 39क)
* उद्योगों के प्रबंध में कर्मकारों की सहभागिता (अनु. 43क)

44वें संविधान द्वारा जोड़े गए तत्व

* विभिन्न व्यवसायों में लगे हुए लोगों के समूहों के मध्य प्रतिष्ठा, सुविधाओं, और अवसरों की असमानता को समाप्त करने का प्रयास राज्य करेगा। (अनु0 38 (2))

नीति निदेशक तत्वों की भांति महत्व रखने वाले अन्य अनुच्छेद

* अनुच्छेद 350 (क)- प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा देना
* अनुच्छेद 351- हिदी भाषा को प्रोत्साहन देना।

महत्त्वपूर्ण प्रश्न-उत्तर और तथ्य

* कल्याणकारी राज्य की संकल्पना का समावेश संविधान में है —**राज्य के नीति निदेशक तत्वों में**
* 'समान कार्य के लिए समान वेतन' संविधान द्वारा सुनिश्चित एक अंग है —**राज्य के नीति निदेशक तत्व का (अनु. 39)**
* सुमेल—

अनुच्छेद		**विषय**
40	-	ग्राम पंचायत का गठन
41	-	काम करने का अधिकार
44	-	समान नागरिक संहिता
48	-	कृषि एवं पशुपालन व्यवस्था

* कौन सा अनु. संविधान के 42वें संशोधन द्वारा नीति-निदेशक तत्वों में जोड़ा गया?
–समान न्याय व निःशुल्क कानूनी सहायता 39(क)
–शोषण से बच्चों एवं वयस्कों को सुरक्षा 39(च)
–उद्योगों के प्रबंधन में श्रमिकों की भागेदारी 43(क)
–पर्यावरण संरक्षण एवं वन्य जीवों की रक्षा 48(क)
* राज्य के नीति-निदेशक तत्वों में शामिल नहीं है —**सूचना का अधिकार**
* नीति निदेशक तत्वों में शामिल है —**मादक पेय और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक औषधियों का औषधीय प्रयोजन से भिन्न उपयोग का प्रतिषेध**
* नीति निदेशक तत्वों को भारतीय संविधान में शामिल करने का उद्देश्य है —**सामाजिक व आर्थिक प्रजातंत्र की स्थापना करना**
* नीति-निदेशक तत्वों में से कौन सा अनुच्छेद अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के संवर्धन से संबंधित है? —**अनुच्छेद 51**
* संविधान के किस भाग में न्यायपालिका तथा कार्यपालिका के पार्थक्य का प्रावधान है? —**राज्य के नीति निदेशक तत्वों में**
* एक कल्याणकारी राज्य के निदेशक आदर्श वर्णित हैं —**राज्य के नीति निदेशक तत्वों में**
* राज्य के नीति निदेशक सिद्धांत किस प्रकार मौलिक अधिकारों से भिन्न हैं? —**नीति निदेशक सिद्धांत प्रवर्तनीय नहीं हैं जबकि मौलिक अधिकार प्रवर्तनीय हैं**

7. मूल कर्त्तव्य

(Fundamental Duties)

26 जनवरी, 1950 को लागू मूल संविधान में नागरिकों के केवल मौलिक अधिकारों का ही उल्लेख किया गया था। मूल कर्त्तव्यों को भारतीय संविधान में समाविष्ट करने के उद्देश्य से अखिल भारतीय कांग्रेस समिति ने 29 मई, 1976 को नई दिल्ली में अपनी बैठक में एक प्रस्ताव के माध्यम से सरदार स्वर्ण सिंह की अध्यक्षता में संविधान सुधार के लिए एक समिति का गठन किया। इस समिति ने संविधान में 8 मूल कर्त्तव्यों को समाविष्ट करने की संस्तुति दी। समिति के सुझावों के आधार पर 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा संविधान में 10 मूल कर्त्तव्यों की सूची सम्मिलित किया गया। इसके लिए संविधान में एक नया भाग 4-क जोड़ा गया, जिसमें अनुच्छेद 51(क) में 10 मूल कर्त्तव्य अंतर्विष्ट हैं, जबकि ''86वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2002'' द्वारा एक और मौलिक कर्त्तव्य (कुल 11 मौलिक कर्त्तव्य हैं) की वृद्धि कर दी गई। यद्यपि संविधान में मूल कर्त्तव्यों के सीधे प्रवर्तन हेतु या उल्लंघन के निवारण हेतु किसी अधिशास्ति (Sanctions) का कोई उपबंध नहीं है, तथापि यह प्रत्याशा की जा सकती है कि किसी विधि की सांविधानिकता अवधारित करते हुए, यदि कोई न्यायालय यह पाता है कि वह इन कर्त्तव्यों में से किसी को प्रभावी करने के लिए है, तो वह ऐसी विधि को अनुच्छेद 14 या 19 के संबंध में युक्तियुक्त मानेगा और वह विधि असांविधानिक होने से बच जाएगी।

पिछले 15 वर्षों के SSC के प्रश्न पत्रों में ''मूल कर्त्तव्य''

- संविधान के मौलिक कर्त्तव्य जोड़े गए थे
  —42वें संशोधन द्वारा
  (स्नातक स्तर (PT) परीक्षा, 2008)
- संविधान का कौन सा अनुच्छेद मौलिक कर्त्तव्यों से संबंधित है?
  —अनुच्छेद 51क
  (C.P.O. (सब-इंस्पेक्टर्स) परीक्षा, 2010)
- भारत में सार्वजनिक संपत्ति का संरक्षण है? **—मौलिक कर्त्तव्य**
  (तकनीकी सहायक (Tech-Asst.) परीक्षा, 2010)
- मौलिक कर्त्तव्यों का समुच्चय सदा एक अंग होता है
  —समाजवादी संविधान का
  (हायर सेकेण्डरी (10+2) स्तर परीक्षा, 2011)
- भारत के संविधान के अनुसार भारतीय नागरिकों के मूल कर्तव्य क्या है? **—राष्ट ध्वज, राष्ट्रगान आदि का सम्मान**
  –वैज्ञानिक प्रवृत्ति का विकास
  –राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण एवं परिक्षण
  (मल्टी टास्किंग स्टाफ (MTS) परीक्षा, 2013)
- भारतीय संविधान के किस भाग में मूल कर्तव्य निर्धारित किये गये हैं? **—भाग IVA**
  (संयुक्त स्नातक स्तरीय प्रा0 परीक्षा, 2013)
- नागरिकों के मूलभूत कर्तव्यों की सिफारिश किस समिति ने की थी? **—स्वर्ण सिंह समिति**
  (प्रसार भारती इंजीनियरिंग असिस्टेंट परीक्षा, 2013)

विशिष्ट तथ्य 'मौलिक कर्त्तव्य''

- केशवानंद भारती के वाद में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए सुझाव के बाद गठित स्वर्ण सिंह समिति की संस्तुति के बाद मौलिक कर्तव्यों को संविधान में स्थान दिया गया।
- समिति ने 8 मौलिक कर्तव्यों की संस्तुति की थी।
- 42वें संविधान संशोधन, 1976 द्वारा संविधान में भाग 4 (क) के अंतर्गत अनुच्छेद 51 (क) में कुल 10 मौलिक कर्तव्यों का उल्लेख किया गया था। वर्तमान में इनकी संख्या 11 है।
- मौलिक कर्तव्य की अवधारणा को पूर्व सोवियत संघ के संविधान से ग्रहण किया गया है।
- जापान तथा भारत को छोड़कर किसी भी प्रजातांत्रिक देश के संविधान में मौलिक कर्तव्यों को स्थान नहीं दिया गया है।
- 86वें संविधान संशोधन, 2001 द्वारा 11वाँ मौलिक कर्तव्य जोड़ा गया।
- अनुच्छेद 51(क) के अनुसार देश के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह-

(i) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्र ध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे।

(ii) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे।

(iii) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे।

(iv) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे।।

(v) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध है।

(vi) हमारी सामाजिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे।

(vii) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्द्धन करे तथा प्राणि मात्र के प्रति दया भाव रखे।

(viii) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन की भावना का विकास करे।

(ix) सार्वजनिक सम्पत्ति को सुरक्षित रखे।

(x) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत् प्रयास करे।

(xi) अपने 6-14 वर्ष की आयु के बच्चों एवं पाल्यों को अनिवार्य रूप से प्राथमिक शिक्षा उपलब्ध कराये।

Follow us on Instagram Subscribe to our YouTube Channel Find us on facebook Join us on Telegram

8. संघ की कार्यपालिका

(The Executive of the Union)

भारत क्षेत्र और जनसंख्या की दृष्टि से अत्यधिक विशाल और बहुत अधिक विविधताओं से परिपूर्ण है, ऐसी स्थिति में भारत के लिए संघात्मक शासन व्यवस्था को ही अपनाना स्वाभाविक था और भारतीय संविधान के द्वारा ऐसा ही किया गया है। संविधान के प्रथम अनुच्छेद में कहा गया है कि "India, that is Bharat shall be a Union of States." (अर्थात् भारत राज्यों का एक संघ होगा)। अनेक विचारकों द्वारा इस प्रकार का मत व्यक्त किया गया है कि भारतीय संविधान केवल देखने में ही संघीय है, वास्तव में यह एकात्मक (Unitary) व्यवस्था की स्थापना करता है। प्रो. व्हीयर (Wheare) का मत है कि—भारतीय संविधान एक ऐसी शासन प्रणाली की स्थापना करता है, जो अधिक-से-अधिक अर्द्धसंघीय है। यह एक ऐसे एकात्मक राज्य की स्थापना करता है जिसमें संघात्मक शासन के तत्व गौण रूप से हों। डॉ. कृष्णा पी. मुखर्जी का मत है कि ''भारतीय संविधान असंघीय अथवा एकात्मक है।'' श्री दुर्गादास बसु का मत है कि ''भारतीय संविधान न तो नितांत संघात्मक है और न ही एकात्मक, वरन् दोनों का मिश्रण है।

पिछले 15 वर्षों के SSC के प्रश्न पत्रों में ''संघ की कार्यपालिका''

- भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की नियुक्ति कौन करता है? **—राष्ट्रपति**
  (लोअर डिवीजन क्लर्क (L.D.C) परीक्षा, 1998)
- राज्यसभा का पदेन अध्यक्ष (Ex-Officio) कौन होता है? **—उपराष्ट्रपति**
  (लोअर डिवीजन क्लर्क (L.D.C) परीक्षा, 1998)
- राष्ट्रपति का पद अधिकतम कितने महीने के लिए रिक्त रह सकता है? **—छह माह**
  (लोअर डिवीजन क्लर्क (L.D.C) परीक्षा, 1998)
- बराबर वोट पड़ने पर निर्णायक मत कौन देता है? **—अध्यक्ष**
  (लोअर डिवीजन क्लर्क (L.D.C) परीक्षा, 1998)
- राज्यपाल कब तक अपने पद पर बना रह सकता है? **—राष्ट्रपति जब तक चाहे**
  (लोअर डिवीजन क्लर्क (L.D.C) परीक्षा, 1998)
- वित्त विधेयक कहां पेश किये जा सकते हैं? **—केवल लोकसभा में**
  (लोअर डिवीजन क्लर्क (L.D.C) परीक्षा, 1998)
- मृत्युदण्ड को कौन माफ कर सकता है? **—राष्ट्रपति**
  (लोअर डिवीजन क्लर्क (L.D.C) परीक्षा, 1998)
- संसद के दोनों सदनों की ''संयुक्त बैठक'' को भेजा गया विधेयक का पारित होना होता है **—उपस्थित सदस्यों के साधारण बहुमत से**
  (स्नातक स्तर (PT) परीक्षा, 2005)
- यदि राष्ट्रपति त्याग पत्र देना चाहे तो वह अपना त्याग पत्र किसे संबोधित करेगा? **—उपराष्ट्रपति को**
  (C.P.O. (सब-इंस्पेक्टर्स) परीक्षा, 2008)
- केंद्रीय मंत्रि-परिषद के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव कहां प्रस्तुत किया जा सकता है? **—केवल लोकसभा में**
  (डाटा एण्ट्री ऑपरेटर (D.E.O.) परीक्षा, 2008)
- संसद में शामिल हैं **—राष्ट्रपति, राज्यसभा और लोकसभा**
  (मैट्रिक स्तर (PT) परीक्षा, 2008)
- लोकसभा द्वारा पारित धन विधेयक राज्यसभा द्वारा कितने समय के अंदर पारित किया जाता है? **—14 दिन**
  (सेक्शन ऑफीसर्स (कामर्शियल ऑडिट) परीक्षा, 2009)
- भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट की संवीक्षा करने वाली संसदीय समिति है **—लोक-लेखा समिति**
  (C.P.O. (सब-इंस्पेक्टर्स) परीक्षा, 2009)
- लोकसभा के शून्यकाल की अधिकतम अवधि कितनी होती है? **—एक घण्टा**
  (कर सहायक (टैक्स असिस्टेंट) परीक्षा, 2009)
- भारत में प्रधानमंत्री किस प्रक्रिया से बनाया जाता है? **—मनोनयन से**
  (स्नातक स्तर (टियर-I) परीक्षा, 2010)
- लोकसभा अध्यक्ष को अपना त्याग पत्र किसको संबोधित करना होता है? **—लोकसभा उपाध्यक्ष को**
  (स्नातक स्तर (टियर-II) परीक्षा, 2010)
- राष्ट्रपति पर महाभियोग कौन शुरू कर सकता है? **—संसद के किसी भी सदन के 1/4 सदस्य**
  (सब-ऑर्डिनेट एकाउंट सर्विस अप्रैंटिस (S.A.S.A.) परीक्षा, 2010)
- संसद के दोनों सदनों में प्रश्नकाल के ठीक बाद के समय में क्या कहा जाता है? **—शून्यकाल [Zero hour]**
  (हायर सेकेण्डरी (10+2) स्तर परीक्षा, 2011)
- संसदीय प्रकार की सरकार की एक प्रमुख विशेषता क्या है?— **संसद के प्रति मंत्रिपरिषद का सामूहिक उत्तरदायित्व (हॉयर सेकेण्डरी (10+2) स्तर परीक्षा, 2010)**
- नागरिकता प्राप्त करने के लिए शर्तें निर्धारित करने वाला सक्षम निकाय कौन सा है? **—संसद**
  (हायर सेकेण्डरी (10+2) स्तर परीक्षा, 2010)
- संसद की किस वित्तीय समिति में राज्यसभा का कोई प्रतिनिधित्व नहीं होता? **—प्राक्कलन समिति**
  (हायर सेकेण्डरी (10+2) स्तर परीक्षा, 2010)
- भारतीय संसद में लोकलेखा समिति का अध्यक्ष कौन होता है? **—विपक्षी दल का नेता**
  (स्टेनोग्राफर (ग्रेड-सी एवं डी) परीक्षा, 2010)
- राष्ट्रपति पर महाभियोग की विधि किस देश से अपनाई गई है? **—यूएसए से**
  (स्नातक स्तर (टियर-I) परीक्षा, 2011)
- भारत के राष्ट्रपति के चुनाव के लिए नागरिक को कितनी आयु पूरी कर लेनी चाहिए? **—35 वर्ष**
  (स्नातक स्तर (टियर-I) परीक्षा, 2011)
- भारत के राष्ट्रपति द्वारा राज्यसभा में कितने सदस्य मनोनीत किए जाते हैं? **—12 सदस्य**
  (हायर सेकेण्डरी (10+2) स्तर परीक्षा, 2011)
- संसद राज्य सूची में दिए गए विषयों के बारे में कब कानून बना सकती है? **—दो या अधिक राज्यों के अनुरोध पर**
  (स्टेनोग्राफर (ग्रेड-डी) परीक्षा, 1998)
- भारत के कौन से राष्ट्रपति लगातार दो कार्यकाल तक अपने पद पर बने रहे? **—डॉ. राजेंद्र प्रसाद**
  (लोअर डिवीजन क्लर्क (L.D.C) परीक्षा, 1998)

- राष्ट्रीय आपात स्थिति की घोषणा जारी नहीं रहती यदि संसद उसे अनुमोदन न प्रदान कर दे? **—एक माह के भीतर**
(लोअर डिवीजन क्लर्क (L.D.C) परीक्षा, 1998)
- लोकसभा की बैठक के लिए कम से कम कितने सदस्यों का कोरम होना चाहिए? **—सदन के कुल सदस्य संख्या का 1/10वां भाग**
(लोअर डिवीजन क्लर्क (L.D.C) परीक्षा, 1998)
- भारत के राष्ट्रपति द्वारा लोकसभा में एंग्लो-इंडियन समुदाय के कितने सदस्यों को मनोनीत किया जा सकता है? **—दो**
(मैट्रिक स्तर (PT) परीक्षा 1999)
- संसद के दोनों सदनों के संयुक्त अधिवेशन का सभापतित्व कौन करता है? **—लोकसभा के अध्यक्ष**
(मैट्रिक स्तर (PT) परीक्षा, 1999)
- किसी विशेष दिन, लोकसभा में अधिकतम कितने तारांकित प्रश्न पूछे जा सकते हैं? **—20**
(मैट्रिक स्तर (PT) परीक्षा, 1999)
- वित्त आयोग के अध्यक्ष की नियुक्ति कौन करता है? **—राष्ट्रपति**
(मैट्रिक स्तर (PT) परीक्षा, 1999)
- भारतीय संविधान अनुच्छेद 74 और 75 किन विषयों पर विचार करते हैं? **—मंत्रिपरिषद**
(मैट्रिक स्तर (PT) परीक्षा, 1999)
- राज्यसभा का एक स्थायी सदन होने का क्या कारण है?
—क्योंकि एक-तिहाई सदस्य प्रति दो वर्ष पर सेवानिवृत्त होते हैं (मैट्रिक स्तर (PT) परीक्षा, 1999)
- संसद के दोनों सदनों के संयुक्त अधिवेशन को कौन बुलाता है? **—राष्ट्रपति**
(मैट्रिक स्तर (PT) परीक्षा, 1999)
- भारत के उपराष्ट्रपति को कौन पदच्युत कर सकता है? **—लोकसभा की सहमति से राज्यसभा**
(मैट्रिक स्तर (PT) परीक्षा 1999)
- भारत में सेनाओं के सर्वोच्च सेनापति से कौन संदर्भित होता है? **—राष्ट्रपति**
(मैट्रिक स्तर (PT) परीक्षा, 1999)
- संघीय संसद (Federal Parliament) की संयुक्त बैठक किस लिए बुलाई जाती है? **—किसी गैर-वित्तीय विधेयक पर दोनों सदनों में गतिरोध के समाधान हेतु**
(सेक्शन ऑफीसर्स (कामर्शियल ऑडिट) परीक्षा, 2006)
- भारत के राष्ट्रपति का निर्वाचन करने के निर्वाचक-मण्डल (Electoral College) में कौन शामिल होते हैं?
—लोकसभा, राज्यसभा तथा राज्य विधानसभाओं के निर्वाचित सदस्य (सेक्शन ऑफीसर्स (कामर्शियल ऑडिट) परीक्षा, 2006)
- विदेशों को भेजे जाने वाले विभिन्न संसदीय प्रतिनिधिमण्डलों के लिए व्यक्तियों का नामांकन कौन करता है? **—लोकसभा अध्यक्ष**
(मैट्रिक स्तर (PT) परीक्षा, 2002)
- राज्यसभा का पदेन अध्यक्ष कौन होता है? **—उपराष्ट्रपति**
(मैट्रिक स्तर (PT) परीक्षा, 2001)
- राज्यसभा के लिए सदस्यों को नामित करने का अधिकार किसको है? **—राष्ट्रपति को**
(मैट्रिक स्तर (PT) परीक्षा, 2002)
- भारत में संसद की संयुक्त बैठक की अध्यक्षता कौन करता है? **—लोकसभा अध्यक्ष**
(मैट्रिक स्तर (PT) परीक्षा, 2002)
- लोकसभा में कोई भी धन विधेयक किसकी पूर्वानुमति लिए बिना प्रस्तुत नहीं किया जा सकता? **—राष्ट्रपति**
(C.P.O. (सब-इंस्पेक्टर्स) परीक्षा, 2003)
- कानूनी मामलों में केंद्रीय सरकार का मुख्य सलाहकार कौन होता है? **—महान्यायवादी**
(सहायक निरीक्षक नियंत्रक (A.I.C.) परीक्षा, 2003)
- लोकसभा में संघ राज्य क्षेत्रों के लिए कितनी सीटें अलग से निर्धारित की गई हैं? **—24**
(सहायक निरीक्षक नियंत्रक (A.I.C.) परीक्षा, 2003)
- संघ लोक सेवा आयोग के सदस्यों को पद से कैसे हटाया जा सकता है? **—सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जांच और रिपोर्ट के आधार पर राष्ट्रपति द्वारा**
(C.P.O. (सब-इंस्पेक्टर्स) परीक्षा, 2004)
- राज्यसभा में राज्यों को प्रतिनिधित्व किस आधार पर दिया गया है? **—जनसंख्या के आधार पर**
(सेक्शन ऑफीसर्स (ऑडिट) परीक्षा, 2005)
- संसद को भंग करने के लिए कौन सक्षम है? **—राष्ट्रपति**
(सेक्शन ऑफीसर्स (कामर्शियल ऑडिट) परीक्षा, 2005)
- संसद में आधिकारिक विपक्षी समूह के रूप में मान्यता प्राप्त करने के लिए उसके कितने सदस्य होने चाहिए? **—कुल सदस्य संख्या का 1/10 भाग**
(स्नातक स्तर (PT) परीक्षा, 2005)
- लोकसभा का चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशी के लिए निर्धारित न्यूनतम आयु क्या है? **—25 वर्ष**
(स्नातक स्तर (PT) परीक्षा, 2005)
- भारत के नियंत्रक एवं महालेखा-परीक्षक की नियुक्ति की अवधि कितनी है? **—6 वर्ष या 65 वर्ष की आयु, जो भी पहले हो**
(स्नातक स्तर (PT) परीक्षा, 2005)
- राज्यसभा के सदस्य का कार्यकाल कितने वर्ष का होता है? **—छह वर्ष**
(स्नातक स्तर (PT) परीक्षा, 2005)
- भारतीय संविधान के अधिकांश उपबंधों का संशोधन किसके द्वारा किया जाता है? **—अकेली संसद द्वारा**
(कर सहायक (टैक्स असिस्टेंट) परीक्षा 2007)
- भारतीय संसद की सबसे महत्त्वपूर्ण विशेषता है कि **—संसद का ऊपरी सदन कभी भंग नहीं होता**
(कर सहायक (टैक्स असिस्टेंट) परीक्षा, 2008)
- लोकसभा में अध्यक्ष के मत को क्या कहा जाता है? **—निर्णायक मत**
(सेक्शन ऑफीसर्स (ऑडिट) परीक्षा, 2006)
- संघ लोकसेवा आयोग की वार्षिक रिपोर्ट किसे प्रस्तुत की जाती है? **—राष्ट्रपति**
(सेक्शन ऑफीसर्स (ऑडिट) परीक्षा, 2006)
- भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक का कार्यकाल कितने वर्ष का होता है? **—6 वर्ष**
(मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ (M.T.S.) परीक्षा, 2011)
- राष्ट्रपति द्वारा राज्यसभा के सदस्यों के नामांकन का नियम किस देश के संविधान से लिया गया था? **—आयरलैण्ड**
(मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ (M.T.S.) परीक्षा, 2011)
- कोई व्यक्ति संसद के किसी भी सदन का सदस्य हुए बिना केंद्र में कितनी अवधि तक मंत्री रह सकता है? **—6 महीने**
(मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ (M.T.S.) परीक्षा, 2011)
- संसद की लोकलेखा समिति के सदस्यों का कार्यकाल कितने वर्षों का होता है? **—एक वर्ष**
(मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ (M.T.S.) परीक्षा, 2011)
- संविधान का कौन सा अनुच्छेद मंत्रिपरिषद के गठन के बारे में आधारभूत नियम निर्धारित करता है? **—अनुच्छेद 75**
(मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ (M.T.S.) परीक्षा, 2011)

BY ASHISH TIWARI Akku - Gyan Tak

* देश के सशस्त्र सेनाओं का सर्वोच्च कमाण्डर-इन-चीफ कौन होता है? **—राष्ट्रपति**
(भारतीय खाद्य निगम (F.C.I. असिस्टेंट) परीक्षा, 2012)
* भारत में सभी रक्षा बलों का सर्वोच्च कमांडर है **—भारत का राष्ट्रपति**
(मल्टी टास्किंग स्टाफ (MTS) परीक्षा, 2013)
* भारत के केन्द्रीय मंत्रिपरिषद की बैठक की अध्यक्षता कौन करता है? **—राष्ट्रपति**
(मल्टी टास्किंग स्टाफ (MTS) परीक्षा, 2013)
* भारतीय संविधान किस सम्बन्ध में संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक का प्रावधान करता है? **—साधारण विधेयक**
(मल्टी टास्किंग स्टाफ (MTS) परीक्षा, 2013)
* राष्ट्रीय एकता परिषद का अध्यक्ष कौन होता है? **—प्रधानमंत्री**
(मल्टी टास्किंग स्टाफ (MTS) परीक्षा, 2013)
* यदि लोक सभा के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष दोनों पद रिक्त होते हैं तो सदन के बैठकों की अध्यक्षता कौन करेगा? **—सदन द्वारा अनुमोदित चेयरपर्सन के पैनल से प्रथम सदस्य**
(मल्टी टास्किंग स्टाफ (MTS) परीक्षा, 2013)
* भारतीय संविधान के अनुसार वित्त आयोग किस प्रकार का निकाय/संस्था है? **—सांविधानिक**
(मल्टी टास्किंग स्टाफ (MTS) परीक्षा, 2013)
* सरकार की राष्ट्रपति प्रणाली के अधीन कार्यकारिणी के सदस्य **—विधानमण्डल के किसी भी सदन के सदस्य नहीं होते**
(मल्टी टास्किंग स्टाफ (MTS) परीक्षा, 2013)
* राज्य सभा के चुनाव हेतु एक अभ्यर्थी की आयु कितने वर्ष से कम नहीं होनी चाहिये? **—30 वर्ष**
(मल्टी टास्किंग स्टाफ (MTS) परीक्षा, 2013)
* लोकसभा के सभापति को किसके द्वारा हटाया जा सकता है **—लोकसभा के बहुसंख्यक सदस्यों द्वारा**
(मल्टी टास्किंग स्टाफ (MTS) परीक्षा, 2013)
* भारतीय योजना आयोग की स्थापना कब हुई थी? **—1950**
(मल्टी टास्किंग स्टाफ (MTS) परीक्षा, 2013)
* भारत में कौन सी शासन प्रणाली है? **—संसदीय शासन प्रणाली**
(मल्टी टास्किंग स्टाफ (MTS) परीक्षा, 2013)
* भारत में राष्ट्रपति के विरुद्ध महाभियोग प्रस्ताव पास करने के लिए कितने सदस्यों का समर्थन चाहिये? **—सदन में उपस्थित और मतदान करने वाले कम से कम 2/3 सदस्य**
(मल्टी टास्किंग स्टाफ (MTS) परीक्षा, 2013)
* किसने प्रभावक समूह (दबाव समूह) को विधान मंडल का तीसरा सदन माना है? **—एच.एम.फाइनर**
(मल्टी टास्किंग स्टाफ (MTS) परीक्षा, 2013)
* राज्य के अधीन क्या है? **—आंतरिक एवं बाह्य दोनों सम्प्रभुता**
(मल्टी टास्किंग स्टाफ (MTS) परीक्षा, 2013)
* भारत के राष्ट्रपति को स्वेच्छानिर्णय अधिकार (विवेकाधिकार) के अंतर्गत क्या प्राप्त है? **—प्रधानमंत्री की नियुक्ति**
(संयुक्त हायर सेकेण्डरी (10+2) स्तर परीक्षा, 2013)
* राष्ट्रपति द्वारा संसद के दोनों सदनों के लिए कुल कितने सदस्यों को नामित किया जा सकता है? **—12+2**
(संयुक्त हायर सेकेण्डरी (10+2) स्तर परीक्षा, 2013)
* भारत में सरकार की संसदीय प्रणाली कहां से ग्रहण की गई है? **—ब्रिटिश संविधान से**
(संयुक्त हायर सेकेण्डरी (10+2) स्तर परीक्षा, 2013)
* किस आयोग के लिए भारतीय संविधान में कोई प्रावधान नहीं किया गया है? **—योजना आयोग**
(केन्द्रीय पुलिस संगठन (CPO) एस.आई. परीक्षा, 2013)
* भारत में राज्यों की सीमाएं बदलने का अधिकार किसके पास है? **—संसद**
(स्टेनोग्राफर ग्रेड-डी परीक्षा, 2013)
* बहुल कार्यपालिका का उदाहरण है **—स्विटजरलैंड**
(संयुक्त स्नातक स्तरीय प्रा० परीक्षा, 2013)
* दबाव समूहों के बारे में सही नहीं है **—दबाव समूहों का लक्ष्य सरकार पर कब्जा करना होता है।**
(संयुक्त स्नातक स्तरीय प्रा० परीक्षा, 2013)
* भारतीय संसद के संयुक्त सत्र की अध्यक्षता कौन करता है? **—लोकसभा अध्यक्ष**
(संयुक्त स्नातक स्तरीय प्रा० परीक्षा, 2013)
* केन्द्रीय मंत्रिमण्डल में मंत्रिमण्डल सदस्य का पद किसको मिलता है? **—योजना आयोग का उपाध्यक्ष**
(संयुक्त स्नातक स्तरीय प्रा० परीक्षा, 2013)
* राष्ट्रपति पद की रिक्ति अवश्य भरनी होती है......के भीतर **—6 माह**
(संयुक्त स्नातक स्तरीय प्रा० परीक्षा, 2013)
* जब किसी सामान्य विधेयक पर राज्यसभा और लोक सभा के बीच गतिरोध आता है, तो उसका समाधान कौन करेगा? **—संसद का संयुक्त सत्र**
(संयुक्त स्नातक स्तरीय प्रा० परीक्षा, 2013)
* उपराष्ट्रपति **—सांसद (संसद सदस्य) नहीं होता है**
(संयुक्त स्नातक स्तरीय प्रा० परीक्षा, 2013)
* योजना आयोग की स्थापना किस वर्ष की गई थी? **—1950ई०**
(संयुक्त स्नातक स्तरीय प्रा० परीक्षा, 2013)
* राष्ट्रपति के चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल में होते हैं **—संसद के दोनों सदनों तथा विधान सभाओं के निर्वाचित सदस्य**
(संयुक्त हायर सेकण्डरी (10+2) स्तर परीक्षा,2013)
* धन विधेयक पारित करने के लिए राज्य सभा को कितना समय दिया जाता है? **—14 दिन**
(संयुक्त हायर सेकण्डरी (10+2) स्तर परीक्षा, 2013)
* किस सदन में अध्यक्ष उस सदन का सदस्य नहीं होता है **—राज्य सभा**
(संयुक्त हायर सेकण्डरी (10+2) स्तर परीक्षा,2013)
* संसद की लोकलेखा समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया जाता है: **—भारत के राष्ट्रपति द्वारा**
(संयुक्त हायर सेकण्डरी (10+2) स्तर परीक्षा,2013)
* राज्य सभा के लिए राष्ट्रपति द्वारा कितने सदस्य नामित किये जाते हैं? **—12**
(संयुक्त हायर सेकण्डरी (10+2) स्तर परीक्षा,2013)
* उपराष्ट्रपति का चुनाव करने वाली निर्वाचन संस्था के सदस्य कौन होते हैं? **—संसद के दोनों सदनों के सदस्य**
(केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल/दिल्ली पुलिस एस.आई.परीक्षा, 2013)

- भारत का राष्ट्रपति अपना त्यागपत्र किसको सम्बोधित करता है? —**उपराष्ट्रपति**
(संयुक्त हायर सेकण्डरी (10+2) स्तर परीक्षा,2013)
- संसद के किस समय के दौरान कोई भी सदस्य किसी भी मुद्दे पर बिना पूर्व सूचना के प्रश्न उठा सकता है? —**शून्य काल**
(प्रसार भारती इंजीनियरिंग असिस्टेंट परीक्षा, 2013)
- संघ लोक सेवा आयोग अखिल भारतीय सेवा कर्मिकों का —**चयन करती है।**
(मल्टी टास्किंग स्टाफ (MTS) परीक्षा, 2013)
- कौन-सी सेवा अखिल भारतीय सेवा नहीं है? —**भारतीय विदेश सेवा**
(मल्टी टास्किंग स्टाफ (MTS) परीक्षा, 2013)
- द्वितीय चेम्बर को अनावश्यक, व्यर्थ और सबसे खराब किसके द्वारा माना गया था —**बेन्थम महोदय द्वारा**
(संयुक्त स्नातक स्तर (PT) परीक्षा, 2014)

नोट : द्वितीय चेम्बर अन्य देशों में राज्यसभा के समतुल्य होता है।

- अधिशासी (कार्यपालक) द्वारा बनाए गए कानूनों को कहते हैं —**प्रत्यायोजित विधान**
(संयुक्त स्नातक स्तर (PT) परीक्षा, 2014)
- कौन-सा अध्यक्षात्मक सरकार का एक गुण है —**कार्यपालक की नियत कार्यावधि अत्यंत स्थिरता की भावना प्रदान करती है**
(संयुक्त स्नातक स्तर (PT) परीक्षा, 2014)
- भारतीय संसद के 'अपर हाउस' को किस नाम से जाना जाता है —**राज्य सभा**
(संयुक्त स्नातक स्तर (PT) परीक्षा, 2015)
- स्विस राष्ट्रपति का कार्यकाल कितने वर्ष का होता है —**1 वर्ष**
(संयुक्त स्नातक स्तर (PT) परीक्षा, 2014)
- स्विस संघीय सभा के दो चेम्बरों को क्या कहते हैं —**राष्ट्रीय परिषद और राज्य सभा**
(नेशनल काउंसिल एंड काउंसिल ऑफ स्टेट्स)
(संयुक्त स्नातक स्तर (PT) परीक्षा, 2014)
- राज्य किसके माध्यम से काम करता है —**सरकार के**
(मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ (MTS) परीक्षा, 2014)
- साधारण विधि का क्या अर्थ है—**सरकार द्वारा बनाया गया और लागू किया जाने वाला कानून**
(संयुक्त स्नातक स्तर (PT) परीक्षा, 2015)

विशिष्ट तथ्य ''संघ की कार्यपालिका''

राष्ट्रपति

- संविधान के अनुच्छेद 52 के अनुसार भारत का एक राष्ट्रपति होगा।
- संविधान के अनुच्छेद 53 के अनुसार संघ की समस्त कार्यपालिकीय शक्ति राष्ट्रपति में निहित है, जिसका प्रयोग वह स्वयं या अपने अधीनस्थ पदाधिकारियों के माध्यम से करेगा।
- संवैधानिक पद क्रम में राष्ट्रपति का पद सर्वोच्च होता है। राष्ट्रपति को देश का प्रथम नागरिक कहा जाता है।

योग्यताएं

- कोई भी व्यक्ति जो भारत का नागरिक है, 35 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुका है तथा लोकसभा का सदस्य निर्वाचित होने की योग्यता रखता है, राष्ट्रपति के पद पर निर्वाचित हो सकता है।
- लाभ का पद धारण करने वाला राष्ट्रपति पद के लिए पात्र नहीं होगा, किन्तु इस संदर्भ में 'लाभ के पद' के अंतर्गत राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, राज्यपाल, केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार के मंत्रिपद को लाभ का पद नहीं माना जायेगा।
- राष्ट्रपति संसद अथवा राज्य विधानमंडल का सदस्य नहीं होगा और यदि वह इनमें से किसी का सदस्य है, तो राष्ट्रपति पद के लिए निर्वाचित होने के उपरांत पद ग्रहण की तारीख से उक्त विधायिका की सदस्यता स्वतः समाप्त हो जायेगी।
- राष्ट्रपति पद के लिए किसी प्रत्याशी को भारत में जन्म अथवा भारतीय मूल का होना आवश्यक नहीं है। संविधान के अनुसार उसे भारत का नागरिक होना चाहिए।

निर्वाचन प्रक्रिया

- राष्ट्रपति का चुनाव राष्ट्रपति तथा उपराष्ट्रपति निर्वाचन अधिनियम, 1952 के अंतर्गत संविधान के अनुच्छेद 55(3) के अनुसार अप्रत्यक्ष रूप से आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के एकल संक्रमणीय मत पद्धति द्वारा गुप्त मतदान द्वारा होता है।
- राष्ट्रपति का निर्वाचन एक निर्वाचक मंडल द्वारा किया जाता है। इस निर्वाचक मंडल में निम्न सदस्य शामिल होते हैं-
  -संसद के दोनों सदनों के निर्वाचित सदस्य।
  -राज्य की विधान सभाओं के निर्वाचित सदस्य।
- राष्ट्रपति के निर्वाचन के लिए बनने वाले निर्वाचक मंडल में संसद तथा राज्य विधानसभाओं के मनोनीत सदस्य भाग नहीं ले सकते।
- निर्वाचक मंडल में राज्य विधान परिषदों के सदस्यों को स्थान नहीं दिया गया है।

राष्ट्रपति : शपथ ग्रहण एवं त्यागपत्र

- राष्ट्रपति पद ग्रहण करते समय मुख्य न्यायाधीश अथवा ज्येष्ठतम् न्यायाधीश के समक्ष पद की शपथ लेता है।
- एक व्यक्ति जितनी बार चाहे राष्ट्रपति पद पर निर्वाचित हो सकता है। संविधान में इस पर कोई सीमा निर्धारित नहीं की गयी है।
- राष्ट्रपति अपना त्यागपत्र उपराष्ट्रपति, अथवा प्रधान न्यायाधीश को उपलब्धता के अनुसार प्रस्तुत करता है।
- राष्ट्रपति का निर्वाचन पद रिक्त होने की तिथि से छह माह के भीतर हो जाना चाहिए।
- राष्ट्रपति किसी भी सदन का सदस्य नहीं होता।

- मई 1992 में 70वें संविधान संशोधन द्वारा केन्द्रशासित प्रदेश पांडिचेरी तथा दिल्ली की विधानसभा के सदस्यों को निर्वाचक मंडल में शामिल होने का अधिकार दिया गया।
- किसी राज्य की विधान सभा के भंग होने का राष्ट्रपति के निर्वाचन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।
- राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी के नामांकन का कम-से-कम 50 प्रस्तावकों द्वारा प्रस्ताव तथा 50 अनुमोदकों द्वारा लिखित समर्थन आवश्यक है।
- राष्ट्रपति पद के लिए जमानत राशि 15,000 रुपए है। कुल डाले गए मतों के 1/6 से कम मत प्राप्त करने वाले प्रत्याशी की जमानत जब्त हो जाती है।

Follow us on Instagram Subscribe to our YouTube Channel Find us on Facebook Join us on Telegram

- भिन्न-भिन्न राज्यों के प्रतिनिधित्व में एकरूपता के लिए प्रत्येक राज्य की विधानसभा के सदस्य के मत का मूल्य निम्न विधि से प्राप्त किया जाता है-

$$\frac{\text{राज्य की जनसंख्या}}{\text{विधानसभा के निर्वाचित सदस्यों की संख्या}} \times \frac{1}{1000}$$

= विधानसभा के एक सदस्य की मत संख्या

- संसद सदस्यों के मतों का मूल्य प्राप्त करने के लिए निम्न सूत्र अपनाया जाता है :

$$\frac{\text{देश के सभी विधानसभाओं के निर्वाचित सदस्यों के मतों की कुल संख्या}}{\text{संसद के निर्वाचित सदस्यों की कुल संख्या}}$$

= एक निर्वाचित संसद सदस्य के मत का मूल्य

पदावधि

- राष्ट्रपति अपने पद ग्रहण की तारीख से अगले 5 वर्ष तक पद धारण करता है। 5 वर्ष की समाप्ति के बाद भी वह तब तक पद पर बना रह सकता है जब तक कि इस पद के लिए उसके उत्तराधिकारी का चयन नहीं हो जाता है।
- राष्ट्रपति को दो-तिहाई बहुमत से पारित महाभियोग द्वारा भी पदमुक्त किया जा सकता है।

वेतन एवं भत्ते

- राष्ट्रपति का मासिक वेतन 1.5 लाख रुपए है। इसके अतिरिक्त उसे संसद द्वारा स्वीकृत अन्य भत्ते प्राप्त होते हैं।
- राष्ट्रपति का वेतन पूरी तरह आयकर से मुक्त होता है।
- पद निवृत्ति के बाद राष्ट्रपति को 9 लाख रुपए वार्षिक पेंशन मिलती है।

राष्ट्रपति की शक्तियाँ

(अ) कार्यपालिकीय शक्तियाँ : राष्ट्रपति अपनी शक्तियों का प्रयोग प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद की सहायता से करता है। (अनु. 74)

- राष्ट्रपति प्रधानमंत्री के परामर्श पर मंत्रियों, महान्यायवादी, सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालयों के सभी न्यायाधीशों, राज्यपालों तथा अनेकानेक महत्त्वपूर्ण पदाधिकारियों की नियुक्ति करता है।
- राष्ट्रपति राज्यसभा के लिए 12 व्यक्तियों तथा लोकसभा के लिए एंग्लो-इंडियन समुदाय से दो व्यक्तियों का मनोनयन करता है।

(ब) विधायी शक्तियाँ : राष्ट्रपति संसद के दोनों सदनों को आहुत करता है, संबोधित करता है, सत्रावसान तथा विघटन करता है।

- संसद द्वारा पारित अधिनियम राष्ट्रपति की अनुमति के बिना लागू नहीं होते।
- राष्ट्रपति संसद में विधायी विषयों तथा अन्य विषयों के संबंध में संदेश भेजता है। संसद में वार्षिक वित्तीय विवरण, नियंत्रक महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट, वित्त आयोग की रिपोर्ट तथा अन्य आयोगों की रिपोर्ट राष्ट्रपति के नाम से प्रस्तुत की जाती हैं।
- भारत की संचित निधि से धन निकालने संबंधी विधेयक, ऐसे कराधान पर जिसमें राज्य हित निहित है, पर प्रभाव डालने वाले विधेयक, राज्यों के मध्य व्यापार, वाणिज्य और समागम पर प्रभाव डालने वाले विधेयक को संसद में प्रस्तुत करने के पूर्व राष्ट्रपति की अनुमति आवश्यक होती है।
- **अनुच्छेद 31 (क)** (1) में वर्णित विषयों से संबंधित विधेयक तथा धन विधेयक पर संसद में प्रस्तुत करने से पूर्व राष्ट्रपति की अनुमति आवश्यक होती है।
- अनुच्छेद 123 के अंतर्गत संसद के विश्रांतिकाल में अध्यादेश प्रख्यापित करने की राष्ट्रपति की शक्ति का उल्लेख है।
- ऐसा अध्यादेश संसद द्वारा पारित अधिनियम की भांति प्रभावकारी होगा। अध्यादेश अधिकतम 6 माह तक प्रवर्तित रह सकता है, किंतु यदि संसद का सत्र प्रारंभ होने के बाद संसद द्वारा अध्यादेश का अनुमोदन नहीं किया जाता, तो अध्यादेश संसद का सत्र प्रारंभ होने की तिथि से 6 सप्ताह की अवधि के बाद स्वतः अप्रवर्तनीय हो जायेगा।

(स) न्यायिक शक्तियाँ : राष्ट्रपति संघीय विधियों के विरुद्ध अपराध के लिए साधारण न्यायालय तथा सैनिक न्यायालय द्वारा दंडित तथा मृत्युदंड प्राप्त अपराधियों को क्षमादान दे सकता है, अथवा उनके दंड को कम कर सकता है।

- यद्यपि राष्ट्रपति के उपर्युक्त न्यायिक अधिकार के प्रयोग के पश्चात् संविधान के अंतर्गत न्यायालय द्वारा समीक्षा नहीं की जा सकती, तथापि सर्वोच्च न्यायालय के अक्टूबर, 2006 के एक महत्त्वपूर्ण निर्णय के आधार पर अब इसकी समीक्षा की जा सकती है।
- राष्ट्रपति की क्षमादान की शक्ति राज्य के राज्यपालों तथा सैनिक न्यायालयों की क्षमादान शक्ति पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं डालती है।
- राष्ट्रपति आवश्यक होने पर सार्वजनिक महत्त्व के किसी विषय पर सर्वोच्च न्यायालय से सलाह ले सकता है, किन्तु वह इस सलाह से बाध्य नहीं होगा।

उपराष्ट्रपति

- संविधान के अनुच्छेद 63 में भारत के लिए एक उपराष्ट्रपति का प्रावधान किया गया है।
- संविधान में उपराष्ट्रपति से संबंधित प्रावधान अमेरिका के संविधान से ग्रहण किया गया है।
- उपराष्ट्रपति राज्यसभा का पदेन सभापति होता है।
- वह राज्यसभा का सदस्य नहीं होता इस नाते उसे मतदान का अधिकार नहीं है, किन्तु सभापति के रूप में उसे निर्णायक मत देने का अधिकार है।
- उपराष्ट्रपति का कार्यकाल 5 वर्ष होता है, किन्तु उसके पूर्व वह राष्ट्रपति को संबोधित त्यागपत्र द्वारा पद त्याग सकता है।
- राष्ट्रपति का निर्वाचन ऐसा निर्वाचक मंडल के सदस्य करता है, जिसमें संसद के दोनों सदनों के निर्वाचित सदस्य और राज्य की विधानसभाओं के सदस्य होते हैं, जबकि उपराष्ट्रपति के निर्वाचन में राज्य विधानसभाओं के सदस्य शामिल नहीं होते।
- राष्ट्रपति के पद की किसी भी कारण से रिक्ति की स्थिति में उपराष्ट्रपति राष्ट्रपति का पद भार ग्रहण करता है और ऐसी स्थिति में उपराष्ट्रपति को वे सभी लाभ मिलेंगे, जो राष्ट्रपति को प्राप्त हैं, किन्तु तब उसे उपराष्ट्रपति की हैसियत से मिलने वाले लाभ प्राप्त नहीं होंगे।
- जब उपराष्ट्रपति राष्ट्रपति के पद पर काम करता है, तब राज्यसभा का उपसभापति सभापति के रूप में काम करता है।
- उपराष्ट्रपति को पद से हटाने की प्रकिया राज्यसभा में ही प्रारंभ की जा सकती है। उपराष्ट्रपति को पद से हटाने का प्रस्ताव राज्यसभा में उपस्थित समस्त सदस्यों के बहुमत द्वारा पारित होना चाहिए तथा पारित प्रस्ताव पर लोकसभा की भी स्वीकृति होनी चाहिए।
- ऐसे प्रस्ताव के लिए 14 दिन पूर्व सूचना देना आवश्यक है। उपराष्ट्रपति पदावधि पूर्ण होने के बाद भी तब तक पद पर बना रहता है, जब तक कि उसका उत्तराधिकारी पद भार ग्रहण नहीं कर लेता।

Subscribe to our YouTube Channel
Find us on Facebook
Join us on Telegram
BY ASHISH TIWARI Akku - Gyan Tak

- उपराष्ट्रपति का वेतन 1,25,000 रुपए प्रतिमाह है। साथ ही भत्ता तथा कैबिनेट मंत्रियों को प्राप्त होने वाली सभी सुविधाएं दी जाती हैं।
- 1997 के पूर्व उपराष्ट्रपति को पेंशन देने का प्रावधान नहीं था।
- उपराष्ट्रपति राष्ट्रपति अथवा उसके द्वारा नियुक्त किसी व्यक्ति के समक्ष पद एवं गोपनीयता की शपथ लेता है।
- उपराष्ट्रपति पर महाभियोग नहीं लगाया जाता।

राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति : तुलनात्मक अध्ययन

- राष्ट्रपति संसद का एक मुख्य अंग होता है, जबकि उपराष्ट्रपति संसद के एक अंग राज्यसभा का सभापति होता है।
- राष्ट्रपति का निर्वाचन संसद के दोनों सदनों के निर्वाचित सदस्य तथा राज्य विधानमंडल के निर्वाचित सदस्यों द्वारा होता है, जबकि उपराष्ट्रपति का निर्वाचन संसद के दोनों सदनों के सभी सदस्यों द्वारा होता है।
- राष्ट्रपति पद के लिए प्रत्याशी में लोकसभा का सदस्य निर्वाचित होने की योग्यता होनी चाहिए, जबकि उपराष्ट्रपति पद के लिए प्रत्याशी को राज्यसभा की सदस्यता के लिए अर्हता होना चाहिए।
- राष्ट्रपति को पद से हटाने के लिए 14 दिन की नोटिस के साथ संसद के किसी भी सदन में प्रस्ताव लाया जा सकता है। इसे महाभियोग कहते हैं, जबकि उपराष्ट्रपति को पद से हटाने के लिए प्रस्ताव राज्यसभा में ही संस्थित किया जा सकता है।

संसद

- भारतीय संसद राष्ट्रपति, राज्यसभा तथा लोकसभा से मिलकर बनती है।
- संसद के निचले सदन को लोकसभा तथा उच्च सदन को राज्य सभा कहते हैं।
- लोकसभा में जनता का प्रतिनिधित्व होता है, जबकि राज्यसभा में भारत के राज्यों का प्रतिनिधित्व होता है।

राज्यसभा

- राज्यसभा एक स्थायी सदन है तथा इसका विघटन नहीं होता। इसके सदस्य 6 वर्ष के लिए निर्वाचित होते हैं।
- राज्यसभा के एक-तिहाई सदस्य प्रति दो वर्ष पर अवकाश ग्रहण करते हैं।
- राज्यसभा की अधिकतम सदस्य संख्या 250 होती है, जिसमें 238 सदस्य राज्यों तथा संघ राज्य क्षेत्रों से निर्वाचित होते हैं तथा 12 सदस्य राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत होते हैं।
- राज्यसभा के सदस्यों का निर्वाचन राज्य विधान सभाओं के निर्वाचित सदस्यों द्वारा आनुपातिक प्रतिनिधित्व पद्धति के आधार पर एकल संक्रमणीय मत द्वारा होता है।
- उपराष्ट्रपति राज्यसभा का सभापति होता है। उपसभापति का चयन राज्यसभा करती है।
- वर्तमान में राज्यसभा की सदस्य संख्या 245 है, जिसमें मनोनीत 12 सदस्यों की संख्या शामिल है।
- राज्यसभा की सदस्यता के लिए न्यूनतम आयु सीमा 30 वर्ष है।
- मंत्रिपरिषद राज्यसभा के प्रति उत्तरदायी नहीं होती।
- राज्यसभा दो-तिहाई सदस्यों के बहुमत से अखिल भारतीय सेवाओं का सृजन करती है।
- राज्य सूची के किसी विषय को राज्यसभा दो-तिहाई बहुमत से राष्ट्रीय महत्व का घोषित कर सकती है।
- धन विधेयक के संबंध में राज्यसभा को केवल सिफारिशें करने का अधिकार है, जो लोकसभा पर बाध्यकारी नहीं है।
- राज्यसभा धन विधेयक को अधिकतम 14 दिनों तक रख सकती है। इस अवधि के अंदर यदि विधेयक वापस नहीं होता, तो इसे पारित मान लिया जाता है।
- राज्यसभा धन विधेयक में कोई संशोधन नहीं कर सकती है। वह इसे अस्वीकार भी नहीं कर सकती है।
- राज्यसभा में अंडमान निकोबार द्वीप समूह, चण्डीगढ़, दादरा एवं नागर हवेली, दमन एवं दीव तथा लक्षद्वीप को कोई प्रतिनिधित्व नहीं है।
- राज्यसभा अपने सभापति को प्रस्ताव पारित करके पद से हटा सकती है। इस तरह के प्रस्ताव पर चर्चा अथवा मतदान के समय सभापति (उपराष्ट्रपति) सभा का सभापतित्व नहीं कर सकता है।
- लगातार 60 दिनों तक सदन की बैठक से अनुपस्थित रहने पर राज्यसभा की सदस्यता समाप्त हो सकती है।

लोकसभा तथा राज्यसभा में स्थानों का आवंटन

राज्य क्षेत्र	लोकसभा में स्थान	राज्यसभा में स्थान
आंध्र प्रदेश	42	18
अरुणाचल प्रदेश	2	1
असम	14	7
बिहार	40	16
गोवा	2	1
गुजरात	26	11
हरियाणा	10	5
हिमाचल प्रदेश	4	3
जम्मू-कश्मीर	6	4
कर्नाटक	28	12
केरल	20	9
मध्य प्रदेश	29	11
महाराष्ट्र	48	19
मणिपुर	2	1
मेघालय	2	1
मिजोरम	1	1
नगालैंड	1	1
ओडिशा	21	10
पंजाब	13	7
राजस्थान	25	10
सिक्किम	1	1
तमिलनाडु	39	18
त्रिपुरा	2	1
उत्तर प्रदेश	80	31
पश्चिम बंगाल	42	16
छत्तीसगढ़	11	5
उत्तराखंड	5	3
झारखण्ड	14	6
संघ राज्य क्षेत्र		
अंडमान निकोबार	1	-
चंडीगढ़	1	-
दादरा और नागर हवेली	1	-
दिल्ली	7	3
दमन और दीव	1	-
लक्षद्वीप	1	-
पुदुचेरी	1	1
योग	**543**	**233**
नामित	**2**	**12**
कुल योग	**545**	**245**

BY ASHISH TIWARI Akku - Gyan Tak

लोकसभा

- लोकसभा संसद का निम्न सदन है।
- लोकसभा के सदस्य सीधे जनता द्वारा प्रत्यक्ष निर्वाचन द्वारा चुने जाते हैं।
- लोकसभा की सदस्यता के लिए प्रत्याशी की आयु 25 वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए।
- लोकसभा का सदस्य पांच वर्ष के लिए चुना जाता है, किन्तु वह त्यागपत्र द्वारा सदस्यता का त्याग कर सकता है।
- लगातार 60 दिनों तक लोकसभा की बैठक से बिना अनुज्ञा के अनुपस्थित रहने पर उसकी सदस्यता समाप्त हो सकती है।
- लोकसभा की अधिकतम सदस्य संख्या 552 है, जिसमें 530 सदस्य राज्यों से तथा 20 सदस्य केंद्र शासित प्रदेशों से चुने जाते हैं। वर्तमान में लोकसभा की सदस्य संख्या 545 है।
- राष्ट्रपति एंग्लो इंडियन समुदाय से दो सदस्यों का मनोनयन करता है।
- लोकसभा यदि पहले विघटित न कर दी जाय, तो यह प्रथम अधिवेशन की तारीख से 5 वर्ष तक प्रवर्तन में रहेगी।
- आपात उद्घोषणा की स्थिति में संसद विधि द्वारा लोकसभा की अवधि एक वर्ष के लिए बढ़ा सकती है, किन्तु इस प्रकार से बढ़ाई गई अवधि किसी भी स्थिति में आपात उद्घोषणा के समाप्त होने के पश्चात् 6 माह से अधिक नहीं होगी।
- प्रथम बैठक के बाद यथाशीघ्र लोकसभा अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष के चुनाव अपने सदस्यों के बीच से करती है।
- लोकसभा के विघटन के पश्चात अध्यक्ष अपने पद पर अगली लोकसभा के अध्यक्ष के चुनाव तक बना रहता है।
- लोकसभा के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष को बहुमत से पारित प्रस्ताव द्वारा पद से हटाया जा सकता है। किन्तु ऐसे प्रस्ताव की 14 दिन पूर्व नोटिस दिया जाना अनिवार्य है।
- एक समय में एक व्यक्ति केवल एक ही सदन का सदस्य हो सकता है।
- प्रत्येक सदन की कार्यवाही के लिए कुल सदस्यों की संख्या का दसवां भाग की उपस्थिति अनिवार्य है। इसे <u>गणपूर्ति</u> कहते हैं।
- गणपूर्ति न होने की स्थिति में सदन की कार्यवाही गणपूर्ति होने तक स्थगित कर दी जाती है।
- धन विधेयक केवल लोकसभा में प्रस्तुत किए जा सकते हैं।
- वार्षिक वित्तीय विवरण (बजट) केवल लोकसभा में प्रस्तुत किए जा सकते हैं।
- धन विधेयक तथा वित्त विधेयकों को छोड़कर कोई भी विधेयक संसद के किसी भी सदन में प्रस्तुत किए जा सकते हैं।
- संयुक्त अधिवेशन की अध्यक्षता लोकसभा का अध्यक्ष करता है।
- लोकसभा में केवल अनुसूचित जातियों एवं जनजातियों को ही आरक्षण प्रदान किया गया है, अन्य किसी जाति या वर्ग को नहीं।
- किसी सदस्य के योग्यता संबंधी विवाद पर अंतिम निर्णय राष्ट्रपति चुनाव आयोग की सलाह से करता है।
- संसद सदस्य को अधिवेशन के समय या वह समिति जिसका वह सदस्य है, की बैठक के समय अथवा अधिवेशन या बैठक के पूर्व या पश्चात् 40 दिन की अवधि के दौरान गिरफ्तार नहीं किया जा सकता है।
- संसद सदस्यों को दी गयी यह उन्मुक्ति दीवानी मामलों में ही दी गयी है। आपराधिक अथवा निवारक निरोध के अंतर्गत होने वाली गिरफ्तारी से यह छूट नहीं दी गयी है।
- अध्यक्ष या उपाध्यक्ष यदि लोकसभा के सदस्य नहीं रहते है, तो उन्हें अध्यक्ष या उपाध्यक्ष के पद से त्यागपत्र देना होगा।
- दोनों सदनों के संयुक्त बैठक की अध्यक्षता लोकसभा अध्यक्ष करता है।
- संविधान संशोधन विधेयक किसी भी सदन में प्रारंभ किए जा सकते हैं।
- धन विधेयक में राज्यसभा कोई संशोधन नहीं कर सकती है।
- धन विधेयक को राज्यसभा 14 दिन में अपनी सिफारिश के साथ वापस कर देती है।
- साधारण विधेयक को दूसरा सदन 6 माह तक रोक सकता है।
- साधारण विधेयक पर दोनों सदनों में पृथक रूप से तीन वाचन होते है; इसके पश्चात राष्ट्रपति के अनुमति से वह अधिनियम बन जाता है।
- लोक लेखा समिति लोकसभा की समिति होती है, जिसमें लोकसभा से 15 तथा राज्यसभा से 7 सदस्य होते हैं।
- संसद राज्य सूची के किसी विषय पर तभी विधि निर्माण कर सकती है, जब राज्यसभा में उपस्थित और मतदान करने वालों में से कम से कम दो तिहाई सदस्य उस विषय को राष्ट्रीय महत्त्व का घोषित कर दें।
- किसी विधेयक को जब राष्ट्रपति न तो स्वीकृति देता है और न ही उसे लौटाता है, तब ऐसी स्थिति को <u>जेबी वीटो</u> कहा जाता है।

संसद के सत्र, सत्रावसान एवं विघटन

- संसद का सत्र राष्ट्रपति द्वारा आहूत किया जाता है।
- संसद के एक सत्र के अंतिम बैठक और अगले सत्र की प्रथम बैठक में 6 माह से अधिक का अंतर नहीं होना चाहिए।
- संसद की कार्यवाही में कोई सदस्य अनुपस्थित है या कोई अनधिकृत सदस्य उपस्थित है। यह प्रश्न सदन की कार्यवाही को प्रभावित नहीं करेगा।
- राष्ट्रपति समय-समय पर सदन का सत्रावसान करता है। सदन के सत्रावसान के परिणामस्वरूप सदन में लम्बित विधेयक अथवा कार्य समाप्त नहीं होते।
- स्थगन एवं सत्रावसान में महत्त्वपूर्ण अंतर है। सत्रावसान अधिवेशन को समाप्त करता है, जबकि स्थगन सत्र के अंतर्गत हुई बैठक को स्थगित करता है।
- एक सत्र में कई बैठकें होती हैं। स्थगन स्वयं सदन का कार्य होता है, जो स्पीकर या सभापति द्वारा किया जाता है, जबकि सत्रावसान राष्ट्रपति द्वारा किया जाता है।
- विघटन सदन की कालावधि को समाप्त कर देता है। राज्यसभा का विघटन नहीं होता। लोकसभा का विघटन राष्ट्रपति प्रधानमंत्री की सलाह से करता है।
- स्थगन सत्र की बैठक को समाप्त करता है, सत्रावसान सत्र को समाप्त करता है, जबकि विघटन सदन को ही समाप्त कर देता है।

विघटन

- लोकसभा के विघटन की स्थिति में लम्बित विधेयकों तथा कार्यवाहियों पर निम्नलिखित प्रभाव पड़ता है-

— यदि कोई विधेयक लोकसभा द्वारा पारित नहीं किया गया है तथा राज्यसभा में लम्बित (प्रक्रिया में) है, तो वह समाप्त नहीं किया जा सकता है।

— यदि विधेयक राज्यसभा द्वारा पारित करके लोकसभा में भेजा जा चुका है तथा लोकसभा में लम्बित है, उसे समाप्त माना जाता है।

— वह विधेयक जो लोकसभा द्वारा पारित करके राज्यसभा को भेजे गए

Follow Us on Instagram
Subscribe to our YouTube Channel
Find us on Facebook
Join us on Telegram

थे और वहाँ लम्बित हैं, समाप्त माने जाते हैं, इस प्रकार के विधेयकों को यदि राष्ट्रपति चाहे, तो विघटन के पूर्व संयुक्त अधिवेशन बुलाकर बचा सकता है।

— लम्बित विधेयक में वह विधेयक नहीं आता, जो दोनों सदनों द्वारा पारित होने के पश्चात् राष्ट्रपति की सहमति के लिए रखा हुआ है।

— किसी विधेयक पर विचार हेतु यदि राष्ट्रपति ने संयुक्त बैठक की सूचना जारी कर दी है, तब ऐसे विधेयक समाप्त नहीं माने जायेंगे।

— राज्यसभा में पुनः स्थापित कोई विधेयक जो लोकसभा में भेजे जाने के पश्चात् और लोकसभा द्वारा संशोधनों के साथ राज्यसभा को लौटा दिए जाने के पश्चात् उस सभा में लम्बित हो समाप्त माना जाता है।

— राष्ट्रपति द्वारा पुनर्विचार हेतु भेजे गए विधेयक समाप्त नहीं होते और उन पर नए सदन द्वारा विचार किया जा सकता है।

— लोकसभा में लम्बित शेष सभी मामले वे चाहे प्रस्ताव, संकल्प, संशोधन अथवा अनुपूरक अनुदान माँग हो अथवा याचिका समिति को भेजी गयी याचिका हो, लोकसभा के विघटन के साथ ही समाप्त माने जाते हैं।

वित्त विधेयक

- वित्त विधेयक में कर लगाने, बढ़ाने, ऋण लेने आदि के प्रस्ताव रखे जाते हैं। सामान्यतया यह विधेयक वार्षिक बजट प्रस्तुत किए जाने के तुरंत बाद राष्ट्रपति की पूर्व सहमति से लोकसभा में प्रस्तुत किए जाते हैं।
- भारत की संचित निधि पर भारित व्यय संबंधित प्राक्कलन संसद में मतदान के लिए प्रस्तुत नहीं किए जाते, किन्तु उन पर चर्चा हो सकती है।
- वार्षिक वित्तीय विवरण में अनुमानित व्यय दो मदों- भारत की संचित निधि पर भारित व्यय तथा भारत की संचित निधि से किए जाने वाले अन्य व्यय की पूर्ति के लिए आपेक्षित राशियों में दिखाया जाता है।

भारत की संचित निधि पर भारित व्यय

- राष्ट्रपति का वेतन एवं भत्ता।
- राज्यसभा और उपसभापति तथा लोकसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के वेतन एवं भत्ते।
- सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों का वेतन, भत्ता तथा पेंशन।
- भारत के नियंत्रक-महालेखा परीक्षक का वेतन, भत्ता तथा पेंशन।
- ऐसा ऋण भार, जिनका दायित्व भारत सरकार पर है।
- भारत सरकार पर किसी न्यायालय द्वारा दी गई डिक्री या पंचाट।
- कोई अन्य व्यय जो संविधान द्वारा या संसद विधि द्वारा इस प्रकार भारित घोषित करे।

विनियोग विधेयक

- भारत की संचित निधि से कोई भी धन, विनियोग विधेयक के पारित हुए बिना निकाला जा सकता है।
- विनियोग विधेयक में अनुदान की राशि तथा संचित निधि पर भारित व्यय की राशि में परिवर्तन करने वाला कोई संशोधन नहीं किया जाता। पीठासीन अधिकारी का निर्णय ही इस संबंध में मान्य होता है।

अनुपूरक अनुदान

- किसी मद विशेष के लिए निर्धारित राशि की अपर्याप्तता की स्थिति में राष्ट्रपति द्वारा सदन के दोनों सदनों के समक्ष अनुपूरक अनुदान हेतु विवरण प्रस्तुत किया जाता है।

लेखानुदान

- विनियोग विधेयक के पारित होने में विलम्ब की स्थिति में लोकसभा लेखानुदान विधेयक पारित कर धन उपलब्ध करा सकती है।
- बजट में उल्लिखित न किए गए किसी विशेष मद के लिए लोकसभा अपवादानुदान पारित कर धन उपलब्ध करा सकती है।

भारत का महान्यायवादी

- महान्यायवादी की नियुक्ति राष्ट्रपति करता है।
- महान्यायवादी के लिए उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के समकक्ष योग्यता होनी चाहिए।
- महान्यायवादी भारत सरकार का सर्वोच्च अधिवक्ता होता है।
- महान्यायवादी को संसद की कार्यवाही में भाग लेने तथा किसी भी सदन में बोलने का अधिकार प्राप्त है, किन्तु वह मतदान नहीं कर सकता है।
- महान्यायवादी राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत पद धारण करता है।

विभिन्न संवैधानिक पदों के लिए निर्धारित वेतनमान

पद	वेतन प्रतिमाह
राष्ट्रपति	- 1,50,000 रुपये
उपराष्ट्रपति	- 1,25,000 रुपये
राज्यपाल	- 1,10,000 रुपये
उपराज्यपाल	- 80,000 रुपये
उच्चतम न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश	- 1,00,000 रुपये
उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश	- 90,000 रुपये
उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश	- 90,000 रुपये
उच्च न्यायालय के न्यायाधीश	- 80,000 रुपये
मुख्य निर्वाचन आयुक्त	- 90,000 रुपये
संघ लोकसेवा आयोग के अध्यक्ष	- 90,000 रुपये
सांसद (मूल वेतन)	- 50,000 रुपये

भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक

- भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा 6 वर्ष अथवा 65 वर्ष की आयु, जो भी पहले हो तक के लिए की जाती है।
- नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक को महाभियोग द्वारा पद से हटाया जा सकता है।
- नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक संबंधी प्रावधान भारत शासन अधिनियम, 1935 से लिए गए है।
- नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक का प्रतिवेदन राष्ट्रपति द्वारा संसद में प्रस्तुत किया जाता है।
- राज्य से संबंधित प्रतिवेदन राज्यपाल द्वारा राज्य विधान मंडल में प्रस्तुत किया जाता है।
- सेवानिवृत्ति के बाद महालेखा परीक्षक भारत सरकार के अधीन कोई पद ग्रहण नहीं कर सकता है।
- नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक निम्न वितीय संक्रियाओं का लेखा परीक्षण करता है—

(i) भारत के राज्यों तथा संघ राज्य क्षेत्रों के संचित निधि पर भारित सभी व्ययों का।

(ii) संघ और राज्यों की आकस्मिकता निधि पर भारित व्यय का।

(iii) संघ तथा राज्य क्षेत्रों द्वारा किये गये व्यापार तथा विनिर्माण द्वारा प्राप्त लाभ एवं हानि का।

(iv) संघ तथा प्रत्येक राज्य के आय-व्यय का।

Follow us on Instagram Subscribe to our YouTube Channel Find us on facebook Join us on Telegram

केन्द्रीय मंत्रिपरिषद

- संविधान के अनुच्छेद 74 के अनुसार राष्ट्रपति को उसके कृत्यों के निर्वहन में सहायता और सलाह देने के लिए एक मंत्रिपरिषद होगी, जिसका प्रधान प्रधानमंत्री होगा।
- राष्ट्रपति मंत्रिपरिषद की सलाह पर कार्य करेगा। 44वें संविधान संशोधन (1978) के द्वारा की गयी व्यवस्था के अनुसार राष्ट्रपति मंत्रिमंडल को अपने निर्णय पर पुनर्विचार के लिए कह सकता है, किन्तु पुनर्विचार के बाद दी गयी सलाह राष्ट्रपति के लिए बाध्यकारी होगी।
- राष्ट्रपति प्रधानमंत्री की नियुक्ति करता है, तदुपरांत प्रधानमंत्री की सलाह से अन्य मंत्रियों की नियुक्ति करता है।
- राष्ट्रपति द्वारा मंत्रियों को पद ग्रहण से पूर्व तीसरी अनुसूची में दिए गए प्रारूप के अनुसार पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई जाती है।
- राष्ट्रपति किसी ऐसे व्यक्ति को जो संसद के किसी सदन का सदस्य नहीं है, मंत्रिपद पर नियुक्त कर सकता है, किंतु ऐसे व्यक्ति को 6 माह के अंदर संसद के किसी सदन का सदस्य हो जाना अनिवार्य है।
- मंत्रिपरिषद लोकसभा के प्रति सामूहिक रूप से उत्तरदायी होती है।
- राष्ट्रपति लोकसभा में बहुमत दल के नेता को प्रधानमंत्री पद पर नियुक्त करता है।
- मंत्रिगण राष्ट्रपति के प्रसाद पर्यंत अपना पद धारण करते हैं।
- मंत्रियों के वेतन एवं भत्तों का निर्धारण संसद द्वारा समय-समय पर किया जाता है।
- व्यावहारिक रूप से प्रायः तीन प्रकार की मंत्री होते हैं- मंत्रिमंडल स्तर के मंत्री, राज्यमंत्री तथा उपमंत्री।
- संविधान में मंत्रिमंडल (Cabinet) शब्द का कहीं उपयोग नहीं किया गया है। मंत्रिमंडलीय व्यवस्था वास्तव में संसदीय परंपरा की देन है, जिसका विकास ब्रिटेन में हुआ है। ब्रिटेन के अतिरिक्त आयरलैण्ड, फ्रांस तथा इटली में भी यह परम्परा है।
- **मंत्रिमंडल स्तर के मंत्री** (Cabinet Ministers) अपने विभागों के प्रमुख होते हैं। प्रधानमंत्री तथा उपप्रधानमंत्री भी इसमें शामिल होते हैं,
- मंत्रिमण्डल की अध्यक्षता प्रधानमंत्री करता है, नीति निर्धारण का कार्य यथार्थ में यही संस्था करती है, इसकी बैठकों की कार्यवाही गोपनीय रखी जाती है।

प्रधानमंत्री

- प्रधानमंत्री लोकसभा में बहुमत दल का नेता होता है। उसकी नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।
- सामान्यतया प्रधानमंत्री का कार्यकाल 5 वर्ष होता है, किन्तु समय पूर्व लोकसभा के भंग हो जाने, उसके द्वारा त्यागपत्र दे दिए जाने तथा उसके विरूद्ध अविश्वास प्रस्ताव पारित हो जाने की स्थिति में वह पांच वर्ष से पूर्व पदमुक्त हो सकता है।
- प्रधानमंत्री राष्ट्रपति तथा मंत्रिमंडल के मध्य की एक कड़ी के रूप में कार्य करता है।
- प्रधानमंत्री मंत्रिपरिषद के सभी नीतिगत तथा प्रशासकीय निर्णयों की सूचना राष्ट्रपति को देता है।

उपप्रधानमंत्री

- संविधान में उपप्रधानमंत्री की नियुक्ति का कोई प्रावधान नहीं किया गया है।
- 15 अगस्त, 1947 को जवाहर लाल नेहरू ने सरदार वल्लभ भाई पटेल को देश का प्रथम उपप्रधानमंत्री नियुक्त किया था।
- **राज्यमंत्री** (State Ministers) कैबिनेट स्तर के मंत्री से नीचे के स्तर के मंत्री होते हैं। सामान्यतः यह कैबिनेट की मीटिंग में भाग नहीं लेते।
- राज्य मंत्री को किसी छोटे विभाग का स्वतन्त्र प्रभार भी दिया जा सकता है। यह आमंत्रित करने पर कैबिनेट की बैठकों में भाग लेते हैं।
- **उपमंत्री** (Deputy Ministers) तीसरे स्तर के मंत्री होते है। इनका कार्य केवल प्रशासनिक होता है। नीति निर्धारण में इनका कोई योगदान नहीं होता तथा ये मंत्रिमंडल की बैठक में भी भाग नहीं लेते।

मंत्रिपरिषद तथा मंत्रिमंडल में अंतर

(i) मंत्रिपरिषद एक वृहत्तर संस्था है, जबकि मंत्रिमंडल एक लघुतर संस्था है।

(ii) मंत्रिमंडल के सभी सदस्य मंत्रिपरिषद के सदस्य होते हैं, किंतु मंत्रिपरिषद के सभी सदस्य मंत्रिमंडल के सदस्य नहीं होते।

(iii) मंत्रिमंडल राष्ट्र की नीतियों को निर्धारित करता है।

(iv) मंत्रिमंडल सामूहिक रूप से निर्णय लेता है, जबकि मंत्रिपरिषद इसके लिए बाध्य नहीं है।

(v) मंत्रिमंडल मंत्रिपरिषद के कार्यकारिणी समिति के रूप में कार्य करती है।

(vi) मंत्रिमंडल लघुत्तर संस्था होने के बावजूद मंत्रिपरिषद की अपेक्षा अधिक शक्तिशाली संस्था है।

संघ का शासन

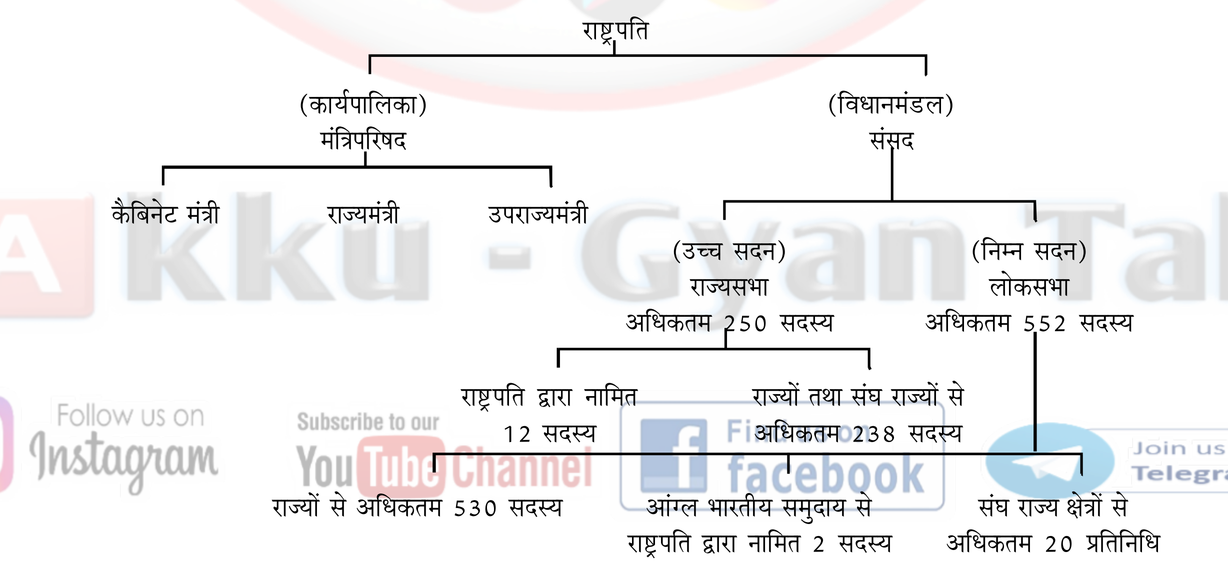

BY ASHISH TIWARI Akku - Gyan Tak

महत्त्वपूर्ण प्रश्न-उत्तर और तथ्य

- संसदीय शासन में वास्तविक कार्यपालिका शक्ति होती है **—प्रधानमंत्री (मंत्रिपरिषद) के पास**
- यदि भारत के प्रधानमंत्री संसद के उच्च सदन के सदस्य हैं, तो **—वे अविश्वास प्रस्ताव की स्थिति में अपने पक्ष में वोट नहीं दे सकेंगे**
- लेखानुदान संघ सरकार को अनुमति प्रदान करता है **—निश्चित अवधि के लिए भारत की संचित निधि से धन निकालने का**
- किस प्रस्ताव का संबंध संघीय बजट से है? **—कटौती प्रस्ताव**
- जो व्यक्ति संसद का सदस्य नहीं है, केंद्रीय मंत्री रह सकता है **—6 माह तक**
- भारतीय संविधान में अवशिष्ट शक्तियां प्रदान की गई हैं **—संघीय सरकार/संसद को**
- भारत सरकार का कोई मंत्री जो संसद के दोनों में से किसी सदन का सदस्य नहीं है, मंत्री पद से मुक्त हो जाएगा **—6 मास बाद (अनु. 75)**
- संविधान के किस अनु. के अंतर्गत धन विधेयक को परिभाषित किया गया है? **—अनु. 110**
- कौन सा प्रस्ताव मंत्रिपरिषद द्वारा रखा जाता है? **—विश्वास प्रस्ताव**
- 'शून्यकाल' संसदीय व्यवस्था किस देश की देन है? **—भारत की**
- कैबिनेट में शामिल होते हैं **—केवल कैबिनेट मंत्री**
- संविधान का कौन सा अनु. मंत्रिपरिषद की नियुक्ति तथा पदच्युति को विवेचित करता है? **—अनु. 75**
- किस संविधान संशोधन में यह प्रावधान किया गया कि केंद्र व राज्यों में मंत्रिपरिषद का आकार लोकसभा/राज्य विधानसभा के कुल संख्या के 15% से अधिक नहीं होगा? **—91वां संविधान संशोधन, 2003**
- धन विधेयक—
  - — राष्ट्रपति की सहमति से लोकसभा में पेश किया जाता है (अनु. 110)।
  - — कोई विधेयक धन विधेयक है या नहीं, इस पर अंतिम निर्णय लोकसभा अध्यक्ष का होता है।
  - — लोकसभा में पारित धन विधेयक का राज्यसभा द्वारा 14 दिनों के अंदर पारित किया जाना या विचारार्थ भेजा जाना आवश्यक है।
  - — राष्ट्रपति धन विधेयक को पुनर्विचार के लिए नहीं लौटा सकता।
- अध्यक्षात्मक सरकार के काम करने का सिद्धांत है **—शक्तियों का पृथक्करण**
- भारतीय गणतंत्र में वास्तविक कार्यकारी प्राधिकार होता है **—मंत्रिपरिषद को**
- मंत्रिपरिषद उत्तरदायी होता है **—संसद के प्रति**
- लोकसभा का नेता होता है **—प्रधानमंत्री**
- संघीय मंत्रिपरिषद के मंत्री उत्तरदायी होते हैं **—राष्ट्रपति के प्रति**
- संविधान में 'मंत्रिमंडल' शब्द का एक ही बार प्रयोग हुआ है **—अनु. 352 में**
- आमतौर पर भारत के प्रधानमंत्री होते हैं**—लोकसभा के सदस्य**
- भारतीय राजनीतिक व्यवस्था में कार्यपालिका किसके अधीन कार्य करती है? **—विधानपालिका के**
- वित्त विधेयक के लिए पूर्व स्वीकृति आवश्यक है **—भारत के राष्ट्रपति की**
- कौन भारत के राष्ट्रपति के निर्वाचकगण का भाग है, पर उसके महाभियोग का भाग नहीं है**—राज्यों की विधानसभाएं**
- लोकसभा अध्यक्ष को उसके कार्यकाल की समाप्ति से पूर्व पद से हटाया जा सकता है **—लोकसभा द्वारा इस आशय का पारित प्रस्ताव पर**
- संसद के लोक लेखा समिति के अध्यक्ष की नियुक्ति की जाती है **—लोकसभा अध्यक्ष द्वारा**
- सार्वजनिक लेखा समिति विवरण प्रस्तुत करती है **—संसद को**
- भारत के उपराष्ट्रपति निर्वाचित होते हैं **—संसद के दोनों सदनों के सदस्य द्वारा**
- लोकसभा अध्यक्ष अपना त्यागपत्र सौंपता है **—उपाध्यक्ष को**
- राष्ट्रपति लोकसभा को भंग कर सकता है **—केंद्रीय मंत्रिमंडल की अनुशंसा पर**
- भारत के राष्ट्रपति का निर्वाचन होता है **—अप्रत्यक्ष पद्धति से एकल संक्रमणीय मत के आधार पर**
- भारत के उपराष्ट्रपति का चुनाव होता है**—लोकसभा और राज्यसभा के सांसदों द्वारा** (आनुपातिक प्रतिनिधित्व पद्धति के अनुसार एकल संक्रमणीय मत द्वारा, अनु. 66)
- भारत के राष्ट्रपति तथा उपराष्ट्रपति का पद खाली होने की स्थिति में, राष्ट्रपति के पद का निर्वहन करेगा **—भारत का मुख्य न्यायाधीश**
- राष्ट्रपति पर महाभियोग का आरोप लगाया जा सकता है **—संसद के किसी भी सदन द्वारा**
- सरकारिया आयोग संबंधित है **—केंद्र राज्य संबंधों से**
- भारत का राष्ट्रपति अपना त्यागपत्र सौंपता है **—उपराष्ट्रपति को (अनु. 56)**
- भारतीय संविधान में किस प्रकार की शासन प्रणाली की व्यवस्था की गई है? **—संसदात्मक प्रजातंत्र**
- भारत के प्रत्येक नागरिक का कर्त्तव्य होगा कि वह प्राकृतिक पर्यावरण का संरक्षण व सुधार करे। यह कथन भारतीय संविधान के किस अनु. से संदर्भित है? **—अनु. 51क (मौलिक कर्त्तव्य)**
- आकस्मिकता निधि को राष्ट्रपति कैसे व्यय कर सकता है? **—संसदीय स्वीकृति के बाद (अनु. 267)**
- राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की क्या आवश्यक योग्यताएं हैं? **—भारत का नागरिक हो, 35 वर्ष की आयु का हो तथा सांसद चुने जाने की योग्यता रखता हो। (अनु. 58)**

Follow us on Instagram Subscribe to our YouTube Channel Find us on Facebook Join us on Telegram
BY ASHISH TIWARI Akku - Gyan Tak

- भारत में राष्ट्रपति के चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल के सदस्य होते हैं—**लोकसभा, राज्यसभा तथा राज्य विधानसभा (दिल्ली और पुडुचेरी सहित) के चुने हुए सदस्य (अनु. 55)**
- भारत के राष्ट्रपति को कार्य अवधि की समाप्ति से पूर्व भी पद से हटाया जा सकता है —**महाभियोग द्वारा (अनु. 61)**
- भारत का राष्ट्रपति किसकी नियुक्ति नहीं करता? —**उपराष्ट्रपति**
- सर्वसम्मति से निर्वाचित भारत के राष्ट्रपति थे —**एन. संजीव रेड्डी (जुलाई, 1972)**
- राष्ट्रपति किसकी नियुक्ति करता है —**भारत का महान्यायवादी, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, राज्य का राज्यपाल**
- भारत सरकार का सांविधानिक अध्यक्ष है —**राष्ट्रपति**
- कोई विधेयक धन विधेयक है, इसका निर्णय कौन करता है? —**लोकसभा अध्यक्ष**
- लोकसभा सचिवालय नियंत्रित होता है —**लोकसभा के अध्यक्ष द्वारा**
- प्रथम लोकसभा के अध्यक्ष थे —**जी. वी. मावलंकर (1952-56)**
- प्रथम लोकसभा अध्यक्ष जिनके विरुद्ध लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था —**जी. वी. मावलंकर (1954)**
- कौन लोकसभा तथा राज्यसभा के संयुक्त अधिवेशन की अध्यक्षता करता है? —**लोकसभा अध्यक्ष (अनु. 118)**
- भारतीय संसद किस रीति से प्रशासन पर नियंत्रण करती है? —**संसदीय समितियों के माध्यम से**
- अध्यक्ष सदन के किसी भी सदस्य को बोलने से रोक सकता है और अन्य किसी सदस्य को बोलने दे सकता है। यह घटना कहलाती है —**बैठ जाना** (Yielding the floor)
- राज्यसभा सदस्य चुने जाते हैं —**राज्य की विधानसभाओं द्वारा**
- राज्यसभा में राज्यों को प्रतिनिधित्व किस आधार पर दिया जाता है —**राज्य की जनसंख्या के अनुपात में**
- राज्यसभा में एक-तिहाई सदस्य—**प्रति दो वर्ष पर अवकाश ग्रहण करते हैं**
- राज्यसभा के एकान्तिक शक्ति के अंतर्गत आता है? —**नई अखिल भारतीय सेवाओं का सृजन (अनु. 312)**
- किन राज्यों को राज्यसभा में समान प्रतिनिधित्व प्राप्त है? —**आंध्र प्रदेश तथा तमिलनाडु (18)**
- लोकसभा द्वारा विचारार्थ भेजे गए वित्त विधेयक को राज्यसभा अधिकतम कितने समय तक रोके रख सकती है?—**चौदह दिन**
- लोकसभा द्वारा पारित किसी संविधान संशोधन विधेयक को उच्च सदन (राज्यसभा) अस्वीकार कर दे तो —**विधेयक अंतिम रूप से समाप्त हो जाता है**
- किस प्रस्ताव का संबंध संघीय बजट से है?—**कटौती प्रस्ताव**
- राज्यों के किस युग्म को लोकसभा में समान सीटें प्राप्त हैं? —**आंध्र प्रदेश तथा प. बंगाल (42)**
- लोकसभा अध्यक्ष द्वारा अधिकारिक तौर पर किसी राजनीतिक दल या गठबंधन को विपक्ष की मान्यता देने हेतु कम से कम होने चाहिए —**कुल सदस्य संख्या का 1/10**
- वर्तमान में लोकसभा तथा राज्यसभा के सदस्यों की संख्या किस एक जनगणना पर आधारित है? —**1971 ई.**
- लोकसभा तथा राज्यसभा में गणपूर्ति संख्या है —**कुल सदस्य संख्या का 1/10**
- भारतीय संसद बनती है —**लोकसभा, राज्यसभा और राष्ट्रपति से**
- **सुमेल—**

राज्य	**लोकसभा में स्थान**
आंध्र प्रदेश	42
असम	14
पंजाब	13
प. बंगाल	42

- कौन सी शक्ति लोकसभा को राज्यसभा की तुलना में अनन्य रूप से प्राप्त है?
  —धन/वित्त विधेयक केवल लोकसभा में प्रस्तुत किया जा सकता है
  —धन विधेयक के निरस्तीकरण अथवा संशोधन के संबंध में
  —मंत्रिपरिषद के उत्तरदायित्व के संबंध में
- लोकसभा में अनु. जातियों के लिए किस राज्य में सर्वाधिक आरक्षित सीटें हैं? —**उत्तर प्रदेश**
- संसद के दोनों सदनों के संयुक्त बैठक को भेजा गया विधेयक का पारित होना होता है —**उपस्थित सदस्यों के साधारण बहुमत से**
- कौन सा लोकसभा का क्षेत्रफल के अनुसार सर्वाधिक बड़ा निर्वाचन क्षेत्र है? —**लद्दाख**
- लोकसभा का कार्यकाल—**आपातकाल की घोषणा के दौरान एक बार में एक वर्ष के लिए बढ़ाया जा सकता है (अनु. 83(2))**
- लोकसभा में अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित सीटों की संख्या सर्वाधिक है —**मध्य प्रदेश में**
  (अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित सीटों की संख्या- झारखण्ड-5; मध्य प्रदेश-6; छत्तीसगढ़-4)
- अंतर्राष्ट्रीय संधियों को भारत के किसी भाग या संपूर्ण भारत में लागू करने के लिए संसद कानून बना सकती है —**बिना किसी राज्य की सहमति से (अनु. 253)**
- कोई धन विधेयक, जो एक बार लोकसभा द्वारा पारित किया जा चुका हो, किंतु राज्यसभा द्वारा संशोधित किया गया हो, पारित समझा जाएगा यदि—**लोकसभा इसे दोबारा संशोधन को स्वीकार या अस्वीकार करते हुए पारित कर दे**
- एक वर्ष में कम से कम कितनी बार संसद की बैठक होना आवश्यक है? —**दो बार (अनु. 85)**

Follow us on Instagram Subscribe to our YouTube Channel Find us on Facebook Join us on Telegram

- किस राज्य का लोकसभा और राज्यसभा में प्रतिनिधित्व सबसे अधिक है? **—उत्तर प्रदेश**
- भारतीय संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक किस संबंध में होती है? **—साधारण विधेयक (अनु. 108)**
- किन राज्यों में अनुसूचित जनजातियों के लिए लोकसभा में स्थान आरक्षित नहीं है? **—केरल, बिहार तथा तमिलनाडु**
- लोकसभा की बैठक समाप्त की जा सकती है? **—स्थगन, सत्रावसान या विघटन द्वारा**
- भारतीय संविधान का कौन सा अनु. संसद को अंतर्राष्ट्रीय समझौतों को लागू करने के लिए विधि निर्माण की शक्ति प्रदान करता है? **—अनु. 253**
- भारत की संचित निधि से धन निर्गम पर किसका नियंत्रण है? **—संसद का (अनु. 266)**
- किस राज्य में लोकसभा में अनु. जाति तथा अनु. जनजाति के लिए आरक्षण नहीं है? **—गोवा तथा जम्मू-कश्मीर**
- किस सभा का अध्यक्ष उसका सदस्य नहीं होता? **—राज्यसभा**
- राज्यसभा का अध्यक्ष कौन होता है? **—भारत का उपराष्ट्रपति**
- भारत के उपराष्ट्रपति को पद से हटाने का संकल्प प्रस्तावित किया जा सकता है **—केवल राज्यसभा में**
- भारत के उपराष्ट्रपति का चुनाव किया जाता है **—संसद के सदस्यों द्वारा**
- किसकी नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है? **—वित्त आयोग का अध्यक्ष**
- राष्ट्रपति के रिक्त पद को भर लिया जाना चाहिए **—6 माह के भीतर (अनु. 62)**
- विधि के प्रश्न पर सर्वोच्च न्यायालय से परामर्श लेने का अधिकार है **—राष्ट्रपति को (अनु. 143)**
- राष्ट्रपति पद्धति में समस्त कार्यपालिका शक्तियाँ निहित होती है **—राष्ट्रपति में**
- किसी भौगोलिक क्षेत्र को अनुसूचित क्षेत्र घोषित करने का संवैधानिक अधिकार किसे है? **—राष्ट्रपति को**
- भारत के किस मुख्य न्यायाधीश ने राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया? **—जस्टिस हिदायतुल्ला**
- राष्ट्रपति के उम्मीदवार के प्रस्ताव का अनुसमर्थन किया जाना चाहिए **—50 मतदाताओं द्वारा**
- संसद का चुनाव लड़ने के लिए प्रत्याशी की न्यूनतम आयु होनी चाहिए **—25 वर्ष**
- संसद के किसी भी सदन के दो सत्रों के बीच अंतराल किससे अधिक नहीं होना चाहिए? **—6 मास**
- संसद में विधायन प्रस्ताव की पहल करने से पहले भारत के राष्ट्रपति की पूर्व स्वीकृति आवश्यक है—

  —नवीन राज्य के गठन व राज्य की सीमाओं में परिवर्तन (अनु. 3), धन विधेयक (अनु. 117), ऐसे कराधान को प्रभावित करने वाले विधेयक, जिनमें राज्यों का हित निहित है (अनु. 274), भारत की संचित निधि पर भारित व्यय (अनु. 117(3), व्यापार की स्वतंत्रता पर निर्बंधन अधिरोपित करने वाले राज्य विधेयक (अनु. 304)
- सामान्य वित्तीय विधायन में सम्मिलित चरण हैं—

  —बजट का प्रस्तुतिकरण, बजट पर चर्चा, विनियोग विधेयक पारित करना, वित्त विधेयक पारित करना
- संसद में आधिकारिक विपक्षी समूह के रूप में मान्यता प्राप्त करने के लिए उसके कितने सदस्य होने चाहिए? **—कुल सदस्य संख्या का 1/10 भाग**
- संसद के दो क्रमिक अधिवेशनों के बीच कितने समय के अंतराल की अनुमति है? **—6 माह**
- राज्यसभा को भंग करने में सक्षम है **—कोई नहीं**
- किस संबंध में राज्यसभा को लोकसभा के अपेक्षाकृत अधिक अधिकार प्राप्त है? **—नई अखिल भारतीय सेवाओं का गठन**
- संसद की वह स्थायी समिति कौन सी है जिसमें राज्यसभा के सदस्य शामिल नहीं होते? **—प्राक्कलन समिति**
- कौन सा विधेयक केवल लोकसभा में ही प्रारंभ किया जा सकता है? **—धन तथा वित्त विधेयक**
- धन विधेयक के अतिरिक्त किसी अन्य विधेयक पर संसद के दोनों सदनों में मतभेद होने पर—**राष्ट्रपति विधेयक पर विचार के लिए सदन की संयुक्त बैठक बुला सकता है**
- लोकसभा द्वारा पारित धन विधेयक राज्यसभा द्वारा भी पारित मान लिया जाता है, यदि उच्च सदन **—14 दिन तक उसे लंबित रखे**
- राज्यसभा के सदस्य के लिए न्यूनतम आयु है **—30 वर्ष**
- राज्य विधान परिषद के कितने सदस्य विधानसभा द्वारा चुने जाते हैं? **—1/3 सदस्य**
- कोई वित्तीय बिल प्रस्तावित हो सकता है **—केवल लोकसभा में**
- लोकसभा स्पीकर का निर्वाचन होता है **—लोकसभा के सभी सदस्यों द्वारा**
- भारत के राष्ट्रपति को उसके पद से हटाया जा सकता है **—संसद के द्वारा**
- लोकसभा को उसके कार्यकाल के पूर्व ही भंग किया जा सकता है **—राष्ट्रपति द्वारा, मंत्रिपरिषद (प्रधानमंत्री) की सलाह पर**
- लोकसभा चुनाव का कोई प्रत्याशी अपनी जमानत खो देता है, यदि उसे मत प्राप्त न हो सके **—वैध मतों का 1/6**
- वर्तमान लोकसभा में, प्रत्येक राज्य के लिए स्थानों का आवंटन आधारित है **—1971 की जनगणना पर**
- संसद के दोनों सदनों का संयुक्त अधिवेशन आयोजित होता है **—ऐसे विधेयक को पारित करने के लिए जिस पर दोनों सदनों में मतभेद हो**
- राज्यसभा को स्थायी सदन कहते हैं, क्योंकि **—इसे विघटित नहीं किया जा सकता**
- राष्ट्रपति द्वारा राज्यसभा में कितने व्यक्ति मनोनीत किए जाते हैं? **—12**

Follow us on Instagram · Subscribe YouTube Channel · Find us on facebook · Join us on Telegram

- एक वर्ष में लोकसभा के कम से कम कितने सत्र बुलाए जाते हैं? **—वर्ष में दो सत्र**
- राज्यसभा के सदस्य कितने वर्षों के लिए चुने जाते हैं? **—6 वर्ष**
- किस राज्य का लोकसभा में सर्वाधिक प्रतिनिधित्व है? **—उत्तर प्रदेश**
- लोकसभा में आंग्ल भारतीय सदस्य को मनोनीत करने की शक्ति किसके पास है **—भारत के राष्ट्रपति**
- भारत के कार्यपालिका का अध्यक्ष है **—राष्ट्रपति**
- भारत में राष्ट्रपति का चुनाव किया जाता है **—एकल हस्तांतरणीय मत प्रणाली द्वारा**
- लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी होने के लिए न्यूनतम आयु सीमा है **—25 वर्ष**
- राज्यसभा का सभापति होता है **—उपराष्ट्रपति**
- वह कौन सी सभा है, जिसका अध्यक्ष उस सदन का सदस्य नहीं होता? **—राज्यसभा**
- भारत का राष्ट्रपति हटाया जा सकता है **—संसद द्वारा**
- भारत का राष्ट्रपति अपने पद पर रहता है **—पद ग्रहण करने के दिन से 5 वर्ष तक**
- कौन सा उपराष्ट्रपति राष्ट्रपति नहीं नियुक्त हुआ था? **—गोपाल स्वरूप पाठक, कृष्णकांत व भैरोसिंह शेखावत**

9. राज्य की कार्यपालिका

(The Executive of the State)

राज्य की कार्यपालिका में राज्यपाल और एक मंत्रिपरिषद होती है, संविधान के द्वारा राज्यों में भी संसदात्मक व्यवस्था की स्थापना की गई है और इस संसदात्मक व्यवस्था में राज्यपाल राज्य की कार्यपालिका का वैधानिक प्रधान होता है, जबकि मुख्यमंत्री और उसकी मंत्रिपरिषद् राज्य की कार्यपालिका सत्ता की वास्तविक प्रधान होती है।

पिछले 15 वर्षों के SSC के प्रश्न पत्रों में ''राज्य की कार्यपालिका''

- प्रत्येक राज्य में महाधिवक्ता की नियुक्ति कौन करता है? **—राज्यपाल**
  (मैट्रिक स्तर (PT) परीक्षा, 2002)
- किसी राज्य का राज्यपाल किसके प्रति उत्तरदायी होता है? **—भारत के राष्ट्रपति के प्रति**
  (लोअर डिवीजन क्लर्क (L.D.C) परीक्षा, 2005)
- मनोरंजन कर किस सरकार द्वारा लगाया जाता है? **—राज्य सरकार**
  (मैट्रिक स्तर (PT) परीक्षा, 2006)
- मुख्यमंत्री की नियुक्ति किसके द्वारा की जाती है? **—राज्यपाल द्वारा**
  (मैट्रिक स्तर (PT) परीक्षा, 2008)
- राज्य विधान मंडल के अनुमोदन के बिना राज्यपाल द्वारा जारी अध्यादेश कितनी अवधि के लिए लागू रहेगी? **—छह सप्ताह**
  (मल्टी टास्किंग स्टाफ (MTS) परीक्षा, 2013)
- जिला न्यायालयों के न्यायाधीशों की नियुक्ति किसके द्वारा की जाती है? **—राज्यपाल**
  (संयुक्त स्नातक स्तरीय प्रा. परीक्षा, 2013)

विशिष्ट तथ्य ''राज्य कार्यपालिका''

- संविधान के भाग 6 में राज्यों के शासन हेतु व्यवस्था की गयी है।
- अनुच्छेद 152 के अनुसार राज्य शब्द की परिभाषा में जम्मू-कश्मीर राज्य शामिल नहीं है। जम्मू-कश्मीर राज्य को अनुच्छेद 370 के अंतर्गत विशेष दर्जा दिया गया है।

राज्यपाल

- संविधान के अनुच्छेद 153 के अनुसार प्रत्येक राज्य का एक राज्यपाल होता है।
- किन्तु राष्ट्रपति एक ही व्यक्ति को एक से अधिक राज्य का राज्यपाल नियुक्त कर सकता है।
- राज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा सामान्यतया 5 वर्ष के लिए की जाती है।
- वह राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत पद धारण करता है।
- राज्यपाल पर महाभियोग नहीं लगाया जा सकता है।
- राज्यपाल पदावधि के समाप्त होने के बाद उत्तराधिकारी के चयन होने तक कार्य करता रहता है।
- राज्यपाल के मनोनयन का प्रावधान कनाडा के संविधान से लिया गया है।
- राज्यपाल का वेतन 1,10,000 रुपए मासिक है।
- राज्यपाल पद पर नियुक्ति हेतु 35 वर्ष की आयु होना आवश्यक है तथा उसमें राज्य विधान सभा का सदस्य चुने जाने की योग्यता होनी चाहिए।

द्विसदनीय विधान मंडल

प्रदेश में द्विसदनीय विधान मण्डल वाले राज्यों की कुल संख्या छह है। इन राज्यों के नाम हैं- उत्तर प्रदेश, बिहार, कर्नाटक, जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र तथा आंध्र प्रदेश। इनमें आंध्र प्रदेश द्विसदनीय विधान मंडल वाला नवीनतम् राज्य है। आंध्र प्रदेश में अप्रैल 2007 में विधान परिषद पुनः अस्तित्व में आया है। यहाँ विधान परिषद का सृजन 1957 में किया गया था, किन्तु 1985 में इसे समाप्त कर दिया गया था।

- राज्यपाल अपने पद एवं कर्तव्यों के लिए किसी न्यायालय के प्रति उत्तरदायी नहीं है।
- राज्यपाल उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के समक्ष पद एवं गोपनीयता की शपथ लेता है।
- जब तक राज्यपाल पद पर है उसके विरुद्ध किसी न्यायालय द्वारा गिरफ्तारी का आदेश नहीं जारी किया जा सकता है।

Follow us on Instagram Subscribe to our YouTube Channel Find us on Facebook Join us on Telegram

- राज्यपाल मुख्यमंत्री, अन्य मंत्री, राज्य महाधिवक्ता आदि की नियुक्ति करता है।
- राज्य विधान मंडल में आंग्ल भारतीय समुदाय से एक व्यक्ति को मनोनीत करता है।
- राज्यपाल विधान मंडल का सत्र बुलाता है, सत्रावसान करता है तथा उसका विघटन करता है।
- राज्यपाल विधान मंडल के सत्र में न होने पर अध्यादेश जारी कर सकता है।
- राज्यपाल विधान मंडल के समक्ष वार्षिक बजट प्रस्तुत करता है।
- यदि 14 दिनों में इसे वापस न किया गया, तो इसे उसी रूप में पारित मान लिया जाता है।
- साधारण विधेयक विधान मंडल के किसी भी सदन में प्रस्तुत किया जा सकता है।
- सदनों के सत्रावसान के कारण कोई भी विधेयक समाप्त नहीं होता है।
- धन विधेयक प्रस्तुत करने के पूर्व राज्यपाल की स्वीकृति अनिवार्य है।
- दोनों सदनों में गतिरोध की स्थिति में संयुक्त अधिवेशन का प्रावधान नहीं है। ऐसी स्थिति में विधान सभा की इच्छा सर्वोपरि होगी।
- विधान परिषद में प्रस्तुत एवं पारित विधेयक को यदि विधान सभा पारित नहीं करती, तो विधेयक को वहीं पर समाप्त मान लिया जाता है।
- विधान परिषद साधारण विधेयक को केवल तीन माह तक रोक सकती है तथा विधेयक को पुनर्विचार के लिए केवल एक माह तक रोक सकती है।

राज्य महाधिवक्ता

- राज्यपाल राज्य के लिए एक महाधिवक्ता की नियुक्ति करता है।
- महाधिवक्ता की योग्यता वही होनी चाहिए, जो उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की होती है।
- राज्य महाधिवक्ता विधिक मामलों में न्यायालय में राज्य की ओर से पैरवी करता है।
- महाधिवक्ता राज्यपाल के प्रसाद पर्यंत पद धारण करता है।
- महाधिवक्ता को राज्यपाल द्वारा निर्धारित पारिश्रमिक एवं भत्ते प्राप्त होते हैं।

संघ-राज्य क्षेत्रों का प्रशासन

- भारत संघ में दो प्रकार के राज्य हैं- (क) संघ में सम्मिलित राज्यों के राज्यक्षेत्र तथा (ख) पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट संघ राज्य क्षेत्र।
- वर्तमान में भारत संघ में 28 राज्य तथा 7 संघ राज्य क्षेत्र हैं।
- संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासन हेतु संविधान के अनुच्छेद 239-242 में प्रावधान किया गया है।
- दिल्ली, पुडुचेरी, अंडमान तथा निकोबार द्वीप समूह के प्रशासक को उपराज्यपाल तथा दादर एवं नगर हवेली, चंडीगढ़ और लक्षद्वीप के प्रशासक को प्रशासक कहा जाता है।
- अनुच्छेद 239 के अनुसार संघ राज्य क्षेत्रों का मुख्य प्रशासक राष्ट्रपति होता है।
- राष्ट्रपति ऐसे राज्य क्षेत्रों के लिए प्रशासक अथवा उपराज्यपाल की नियुक्ति करता है।
- राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली तथा विधान सभा से युक्त संघ राज्यक्षेत्र पुडुचेरी को छोड़कर अन्य सभी संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासन के लिए विनियम बनाने का कार्य राष्ट्रपति द्वारा किया जाता है।
- विधान सभा से युक्त राज्य क्षेत्रों में विधान सभा की विश्रांति काल में उपराज्यपाल अध्यादेश जारी कर सकता है, किन्तु इसके लिए राष्ट्रपति की पूर्व अनुमति आवश्यक है।
- संघ राज्य क्षेत्र दिल्ली के लिए उच्च न्यायालय की स्थापना 1966 में की गयी।
- शेष संघ राज्य क्षेत्रों पर अन्य राज्यों के उच्च न्यायालयों की अधिकारिता इस प्रकार है-
  मुम्बई उच्च न्यायालय - दादर एवं नागर हवेली, दमन एंव दीव
  कलकत्ता उच्च न्यायालय - अंडमान निकोबार द्वीप समूह
  मद्रास उच्च न्यायालय - पुडुचेरी
  केरल उच्च न्यायालय - लक्षद्वीप
  पंजाब/हरियाणा उच्च न्यायालय - चण्डीगढ़

महत्त्वपूर्ण प्रश्न-उत्तर और तथ्य

- किस अनुच्छेद के अधीन, राज्यपाल किसी विधेयक को राष्ट्रपति के विचार के लिए आरक्षित रख सकता है?—**अनुच्छेद 200**
- विधान सभा की सदस्यता के लिए न्यूनतम आयु निर्धारित की गई है —**25 वर्ष**
- बिना विधान सभा का सदस्य निर्वाचित हुए कोई मंत्री पद पर बना रह सकता है —**6 माह तक**
- राज्यपाल किसके प्रति उत्तरदायी होता है? —**राष्ट्रपति**
- किसी राज्य का राज्यपाल**–भारत के राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त होता है, एक से अधिक राज्यों का राज्यपाल हो सकता है, पांच वर्ष तक पद पर बना रहता है, –राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत पद धारण करता है**
- जम्मू-कश्मीर का 'सदरे रियासत' पदनाम बदलकर राज्यपाल कर दिया गया —**1967 में**
- संविधान में निर्वाचित राज्यपाल के मसौदे की योजना को छोड़ दिया गया था, क्योंकि**–इसका अर्थ होता, एक दूसरा निर्वाचन**
  –निर्वाचित राज्यपाल स्वयं को मुख्यमंत्री से श्रेष्ठ मानता
  –राज्यपाल को संसदीय प्रणाली के अंतर्गत ही कार्य करना था
- किसी राज्य का राज्यपाल—**मृत्युदण्ड को क्षमा नहीं कर सकता**

10. भारत की न्यायपालिका

(The Indian Judiciary)

गार्नर के अनुसार—''न्याय विभाग के अभाव में एक सभ्य राज्य की कल्पना नहीं की जा सकती। कोई समाज बिना विधानमण्डल के रहता है, यह बात समझ में आ सकती है, किन्तु ऐसे किसी सभ्य राज्य की कल्पना नहीं की जा सकती, जिसमें न्यायपालिका या न्यायाधिकरण की कोई व्यवस्था न हो।'' साधारणतया संघ राज्यों में न्यायपालिका का दोहरा ढांचा होता है, किन्तु भारत एक संघ राज्य होते हुए भी इसमें इकहरी न्यायपालिका को अपनाया गया है। न्यायपालिका के इस इकहरे ढांचे के अंतर्गत उच्चतम स्तर पर सर्वोच्च न्यायालय (The Jurisdiction and Powers of this Court are wider than those exercised by highest Court of any country in the Commonwealth or the Supreme Court of America) स्थित है, इस सर्वोच्च न्यायालय के अधीन राज्यों के उच्च न्यायालय हैं। उच्च न्यायालयों के अधीन जिलों के न्यायालय तथा दीवानी और फौजदारी न्यायालय हैं।

पिछले 15 वर्षों के SSC के प्रश्न पत्रों में ''भारत की न्यायपालिका''

- किसी राज्य के महाधिवक्ता के रूप में नियुक्ति किए जाने के लिए व्यक्ति में किसकी योग्यताएं होनी चाहिए? **—उच्च न्यायालय के न्यायाधीश का**
  (स्टेनोग्राफर (ग्रेड-डी) परीक्षा, 1998)
- राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति से संबंधित चुनाव विवादों का समझौता करने का अधिकार उच्चतम न्यायालय को है। यह उसका कैसा अधिकार है? **—मौलिक अधिकार**
  (मैट्रिक स्तर (PT) परीक्षा, 1999)
- किसी व्यक्ति के कैद होने पर अनुच्छेद 226 के अंतर्गत की गई कार्यवाही का नाम क्या है? **—न्यायिक कार्यवाही**
  (मैट्रिक स्तर (PT) परीक्षा, 1999)
- सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश किस आयु में सेवानिवृत्त होते हैं? **—65 वर्ष की आयु में**
  (मैट्रिक स्तर (PT) परीक्षा, 2000)
- उच्च न्यायालय अथवा सर्वोच्च न्यायालय द्वारा नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा हेतु जारी समादेश को क्या कहते हैं? **—बंदी उपस्थापक**
  (मैट्रिक स्तर (PT) परीक्षा, 2000)
- उस अधिकारी का उत्तराधिकारी (Successor) कौन है, जो भारत के संविधान को अस्तित्व में आने से पहले प्रीवी काउंसिल के रूप में कार्य कर रहा था? **—उच्चतम न्यायालय**
  (सेक्शन ऑफीसर्स (कामर्शियल ऑडिट) परीक्षा, 2001)
- संसद और विधानसभाओं की विधायी उपादतियों (अतिरेक) की जांच कैसे की जाती है? **—न्यायिक प्रस्ताव द्वारा**
  (स्नातक स्तर (PT) परीक्षा, 2002)
- उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की सेवानिवृत्ति की आयु क्या है? **—62**
  (मैट्रिक स्तर (PT) परीक्षा 2001)
- भारत में उच्चतम न्यायालय (Supreme Court) के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति की आयु कितनी होती है? **—65 वर्ष**
  (मैट्रिक स्तर (PT) परीक्षा, 2002)
- भारत के राष्ट्रपति के चुनाव संबंधी विवाद के माले को किसके पास भेजा जाएगा? **—भारत का उच्चतम न्यायालय**
  (C.P.O. (सब-इंस्पेक्टर्स) परीक्षा, 2003)
- न्यायपालिका का मुख्य कार्य क्या है? **—कानून का न्याय-निर्णय**
  (C.P.O. (सब-इंस्पेक्टर्स) परीक्षा, 2005)
- सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के वेतन और भत्ते किसे प्रभावित किए जाते हैं? **—भारत की संचित निधि को**
  (C.P.O. (सब-इंस्पेक्टर्स) परीक्षा, 2005)
- प्रशासनिक न्यायाधिकरण के निर्णय से असंतुष्ट लोकसेवक कहां अपील कर सकता है? **—सर्वोच्च न्यायालय में**
  (सेक्शन ऑफीसर्स (कामर्शियल ऑडिट) परीक्षा, 2005)
- उच्चतम न्यायालय के ''न्यायिक पुनरीक्षण'' कार्य का क्या अर्थ है? **—कानूनों की संवैधानिक वैधता का परीक्षण**
  (मैट्रिक स्तर (PT) परीक्षा, 2005)
- उच्चतम न्यायालय द्वारा कितने प्रकार की रिट जारी की जा सकती है? **—पांच प्रकार की**
  (सेक्शन ऑफीसर्स (ऑडिट) परीक्षा, 2008)
- भारत में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति के लिए न्यूनतम आयु-सीमा क्या है? **—कोई सीमा नहीं**
  (C.P.O. (सब-इंस्पेक्टर्स) परीक्षा, 2010)
- न्यायपालिका द्वारा बनाए गए कानून को क्या कहते हैं? **—निर्णय विधि (हायर सेकेण्डरी (10+2) स्तर परीक्षा, 2010)**
- भारत के उच्चतम न्यायालय का क्षेत्राधिकार है? **—प्रारंभिक, अपीलीय और परामर्शदायी**
  (मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ (M.T.S.) परीक्षा, 2011)
- उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति कौन करता है? **—राष्ट्रपति**
  (मल्टी टास्किंग स्टाफ (MTS) परीक्षा, 2013)
- उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को कौन हटा सकता है? **—विशेष बहुमत से पारित प्रस्ताव पर राष्ट्रपति**
  (मल्टी टास्किंग स्टाफ (MTS) परीक्षा, 2013)
- भारत के मुख्य न्यायमूर्ति के बारे में सही कथन नहीं है? **—वह सभी उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायमूर्ति की नियुक्त करते हैं**
  (केन्द्रीय पुलिस संगठन (CPO) एस.आई. परीक्षा, 2013)
- भारत में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के लिए अधिवार्षिती की अधिकत्तम आयु क्या है? **—65 वर्ष**
  (स्टेनोग्राफर ग्रेड-डी परीक्षा, 2013)
- भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण के **(CAT)** के निर्णय की उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी जा सकती है? **—अनुच्छेद 323ए**
  (संयुक्त स्नातक स्तरीय प्रा० परीक्षा, 2013)
- किसी व्यक्ति के अवैध निरोध के मामले में न्यायालय द्वारा क्या जारी किया जाता है? **—बन्दी प्रत्यक्षीकरण**
  (संयुक्त स्नातक स्तरीय प्रा० परीक्षा, 2013)
- परामर्शदात्री अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत उच्चतम न्यायालय किसी विधि के प्रश्न या जनता के लिए विशेष महत्व के लक्ष्य पर परामर्श देता है जो उसे भेजा जाए **—राष्ट्रपति द्वारा**
  (संयुक्त हायर सेकण्डरी (10+2) स्तर परीक्षा, 2013)
- विधि का शासन पदावली में प्रयुक्त शब्द विधि किससे सम्बन्धित है? **—लोक विधि**
  (जूनियर इंजीनियरिंग परीक्षा, 2013)
- उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति और अन्य न्यायाधीश कितनी आयु तक पद पर बने रहते हैं? **—62 वर्ष**
  (केन्द्रीय सशस्त्र पुलिसबल/दिल्ली पुलिस, एस.आई.परीक्षा 2013)
- भारत में किस संविधानिक पद पर कोई महिला नहीं रही? **—उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश**
  (केन्द्रीय सशस्त्र पुलिसबल/दिल्ली पुलिस, एस.आई.परीक्षा 2013)
- भारतीय न्यायपालिका का अध्यक्ष है **—सर्वोच्च न्यायालय**
  (मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ (MTS) परीक्षा, 2014)

Follow us Instagram
Subscribe to our YouTube Channel
Find us on facebook
Join us on Telegram

प्रतियोगी परीक्षाओ कि तैयारी करने वाले छात्रो के लिए thejobsyogi.com website अत्यंत लाभकारी है !

website कि विशेषता--

👉प्रतिदिन छत्तीसगढ़,राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय करंट अफेयर अपडेट किया जाता है ।

👉CGPSC,VYAPAM और UPSC के प्रश्न पत्र और सभी एग्जाम के सिलेबस ।

👉करंट अफेयर पीडीएफ मासिक संकलन नि:शुल्क।

👉छत्तीसगढ़ ,कंप्यूटर,भूगोल,विज्ञान अर्थव्यवस्था, गणित, संविधान आदि सभी विषयो का पीडीएफ डाउनलोड कर सकते है।

👉मुख्य परीक्षा के लिए रोजाना प्रैक्टिस प्रश्न, निबन्ध के लिए प्रतिदिन संपादकीय अपडेट ।

👉इंफोग्राफ और माइंड मैप द्वारा विषयवार जानकारी।

👉रोजगार कि सुचना , एग्जाम के लिए टेस्ट पेपर।

👉प्रतिदिन मोटिवशनल स्टोरी ।

thejobsyogi.com

join telegram group thejobsyogi